वर्ष : 16 ❖ अंक : 228 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 31 मार्च 2022

हाइड्रोजन से चलने वाली कार से संसद पहुंचे गडकरी 3

सीएम केजरीवाल के घर के बाहर तोड़फोड़, सिसोदिया बोले- बीजेपी के गुंडों ने की तोड़फोड़ 8

राजकीय सम्मान के साथ किया गया पूर्व सीएम बी.बी. गुरुंग का अंतिम संस्कार

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 मार्च । सिक्किम के वयोवृद्ध नेता तथा पूर्व मुख्यमंत्री बी.बी. गुरुंग का आज पूरे राजकीय सम्मान के साथ रुम्तेक में अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे पहले राज्यपाल गंगा प्रसाद ने गंगटोक के लुमसे स्थित पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय गुरुंग के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री की अंतिम यात्रा में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले), विधानसभा अध्यक्ष तथा कैबिनेट मंत्रियों के अलावा निर्वाचित काउंसिलर्स, मुख्य सचिव, डीजीपी पूर्व, डीसी पूर्व, राजनीतिक सलाहकार और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए। यह अंतिम यात्रा रुम्तेक शवदाह गृह पहुंची जहां पूर्व मुख्यमंत्री का दाह-संस्कार किया गया।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री का पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। दक्षिण सिक्किम के मंगले की आईआरबी तीसरी कंटीन्जेंट ने कमांडिंग ऑफिसर अर्जुन प्रधान के नेतृत्व में दो राउंड 'शोक सलामी हवाई फायरिंग की। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री को अंतिम विदाई देने हेतु इस अवसर पर भारी संख्या में आमलोग भी उपस्थित थे।

रुम्तेक शवदाह गृह में पूर्व मुख्यमंत्री के परिजनों की उपस्थिति में उनके पार्थिव शरीर को अग्नि के सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर देवराली तथा रुम्तेक से आये रिम्पोछे जी. तेनजिंग तथा अन्य संन्यासी भी उपस्थित रहे।

पूर्व सीएम के अंतिम संस्कार में शामिल हुए राज्यपाल व मुख्यमंत्री

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 मार्च । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) आज लुमसे जाकर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बीबी गुरुंग के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल हुए। स्वर्गीय गुरुंग का आज रूमटेक में पूरे राजकीय सम्मान के साथ दाह-संस्कार किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ विधानसभा अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री, सीएम के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग, एडवाइजर्स, चेयरपर्सन्स, डिप्टी मेयर, सीएम के प्रेस सचिव विकास बस्नेत के अलावा राज्य के मुख्य सचिव, डीजीपी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इनलोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय गुरुंग को उनके आवास स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक-संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

सीएम ने जापान की राजदूत सुजुकी सातोशी से की मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 मार्च । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने कल यहां एक होटल में भारत में जापानी के राजदूत सुजुकी सातोशी से मुलाकात की। इस अवसर पर भारत में जापानी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी, जेआईसीए तथा फिक्की के वरिष्ठ अधिकारी तथा भारत सरकार के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान उनलोगों ने सिक्किम में हरित ऊर्जा उत्पादन तथा सेमीकंडक्टर, माइक्रोचिप्स तथा टीवी जैसे उद्योग स्थापना पर बातचीत की।

हरित ऊर्जा उत्पादन तथा सेमींकडक्टर, माइक्रोचिप्स तथा टीवी जैसे उद्योग स्थापना पर बातचीत

वहीं दोनों ने शिक्षा के क्षेत्र में स्वास्थ्य सुरक्षा तथा नर्सिंग जैसे विभिन्न कौशल एवं पेशेवर प्रशिक्षणों में जापानी भाषा को महत्व देने पर भी चर्चा की जिससे कि युवाओं को रोजगार के नये अवसर प्राप्त हो सके। इसके साथ ही बागवानी तथा खाद्य प्रसंस्करण के बारे में चर्चा करते हुए (शेष पृष्ठ ०३ पर)

राजनीति में हिंसा की कोई जगह नहीं : डॉ. गिरी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 मार्च । गत 28 मार्च को राजधानी गंगटोक में राज्य की दो राजनीतिक पार्टियों के बीच हुई झड़प को लेकर एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता द्वारा दिये गये बयान की भारतीय जनता पार्टी ने कड़े शब्दों में निंदा की है।

पार्टी की सिक्किम इकाई के प्रवक्ता डॉ. राजू गिरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि उक्त घटना वाले दिन भाजपा ने ही सबसे पहले इसे लेकर बयान जारी किया था और इसकी भर्त्सना की थी। साथ ही इसे लेकर प्रशासन को सतर्क रहने का सुझाव भी दिया गया था। उन्होंने घटना के सम्बंध में बगैर किसी जानकारी के हवाई बयान देने हेतु उक्त नेता को कहा कि भारतीय जनता पार्टी को राजनीति सिखाने की जरूरत नहीं है। उन्हें पता है कि कब और कैसे कदम उठाना है। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा नेता ने उक्त नेता को भविष्य में ऐसे बयान न देने और उसके पहले पर्याप्त जानकारी प्राप्त करने (शेष पृष्ठ ०३ पर)

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गंगटोक, सिक्किम

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई) गंगटोक, सिक्किम की स्थापना 9 जून, 1979 में आयुर्वेदिक विज्ञान में वैज्ञानिक आधार पर अनुसंधान आयोजित करने और राज्य में स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए एक स्वायत्त शीर्ष निकाय 'केंद्रीय आयुर्वेदिय विज्ञान अनुसंधान', आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रण में की गई थी।

संस्थान में उपलब्ध सुविधाएं

1. अच्छी तरह से सुसज्जित पैथोलॉजी और जैव रसायन प्रयोगशाला
2. अच्छी तरह से स्थापित पंचकर्म चिकित्सा
   - न्यूरोमस्कुलर रोग (वातव्याधि), गठिया, कटिस्नायुशूल, पक्षाघात आदि के लिए अभ्यंग और स्वेदन।
   - माइग्रेन (आधासीसी), अनिद्रा और मानसिक रोग के लिए शिरोधारा
   - साइनसाइटिस, माइग्रेन, अनिद्रा और मानसिक रोग के लिए नस्य कर्म
3. ओपीडी में वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धावस्था स्वास्थ्य देखभाल के लिए विशेष क्लिनिक
4. नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच के लिए सामान्य और विशिष्ट बहिरंग रोगी विभाग (ओपीडी)
5. विभिन्न दवाओं के मुफ्त वितरण के लिए फार्मेसी
6. आउट्रीच गतिविधियाँ- नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, नि:शुल्क परीक्षण और दवा का नि:शुल्क वितरण प्रदान करना सिक्किम की अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति बहुल आबादी के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना।
   - आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान कार्यक्रम (टीएचसीआरपी)
   - आयुर्वेद मोबाइल स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम (एएमएचसीपी)
7. विस्तार केंद्र: आयुर्वेद स्वास्थ्य केंद्र (एएचसी) आम जनता के लि गेजिंग, जोरथांग और मंगन में
8. आम लोगों की जागरुकता के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन
   - अंतरराष्ट्रीय योग दिवस
   - पोषण माह
   - स्वच्छता पखवाड़ा
   - आयुर्वेद दिवस

प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए आयुर्वेद आधारित आहार और जीवनशैली दिशानिर्देश

बार-बार गुनगुने पानी का सेवन प्रति दिन 4 से 5 गिलास

150 मिली. गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं

खाना बनाते समय आप निम्नलिखित मसालों का उपयोग कर सकते हैं, जैसे : हल्दी, जीरा, धनिया, सूखी अदरक, लहसुन आदि

आयुष काढ़ा (हर्बल चाय/काढ़ा) दिन में एक या दो बार लें। स्वाद को बहेतर बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में गुड़/मुनक्का/छोटी इलाइची

आंवला फल (भारतीय आंवला) का नियमित उपयोग किसी भी रूप में किया जा सकता है

ताजा तैयार और आसानी से पचने योग्य भोजन का सेवन

10 ग्राम च्यवनप्राश का नियमित सेवन खाली पेट दिन में दो बार करें

योगासन, प्राणायाम और ध्यान का प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट अभ्यास करें

पर्याप्त नींद (7-8 घंटे) लें और दिन में सोने से बचें।

तिल का तेल/ नारियल का तेल/ गाय का घी या अनु तेल दोनों नथुनों में दिन में एक या दो बार लगाएं

1 टेबल स्पून तिल का तेल या नारियल का तेल मुंह में लें, न पिएं, 2 से 3 मिनट तक मुंह में घुमाकर थूक दें औ फिर दिन में एक या दो बार गुनगुने पानी से धो लें।

नोट: निम्नलिखित स्रोत दस्तावेजों के लिए आयुष मंत्रालय की वेबसाइट (https://www.ayush.gov.in) पर जाएं:

1. कोविड-19 महामारी के दौरान स्वयं की देखभाल के लिए आयुर्वेद निवारण उपाय (https://www.ayush.gov.in/docs/Ayurveda%20Preventive%20Measures%20for%20self%20care%20%20%20COVID-19%20Pandemic.pdf)
2. कोविड-19 के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद और योग पर आधारित राष्ट्रीय नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल (https://www.ayush.gov.in/docs/ayush-Protocol-covid-19.pdf)

निश्चित बीमारियों के लिए कुछ रसायन औषधी

1. स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए रसायन: गुडूची, आंवला, अश्वगंधा, गाय का दूध और शहद।
2. संधिवात: गुग्गुल, हलसुन, अश्वगंधा और शुष्ठी।
3. अस्थमा: शिरीष, अगस्त्य/अगस्त्य, हलदी/बेसर, हारा/हरीतकी
4. कार्डियोप्रोटेक्टिव: शालपर्णी (डेस्मोडियम गैगेटिकम), अर्जुन, गुग्गुल पुष्कार मूला (इनुला रेसमोसा)।
5. न्यूरोपैथी: लहसुन, गुग्गुल बला (भात्या), अश्वगंधा।
6. मधुमेह: शिलाजी/शिलाजीत, आंवला, हरदी/हल्दी, तेजपत्ता, मेथी।
7. वसा संबंधी समस्याएं (लिपिड) विकार: गुग्गुल/गुग्गुल (कॉमीफोरामुकुल), हर्षे, पुष्करमूला, बोजो/वाजा।
8. मस्तिष्क और स्मृति की समस्याएं (मस्तिष्क और स्मृति विकार), ब्राह्मीमंडुकपर्णी (सेंटेला एसियाटिका) ज्योतिषमती (सेलास्ट्रस पैनिकुलटस), कपिकच्छु (मुकुना प्रुरीएन्स) तर (वेलेरियाना वालिची)
9. नेत्र रोग: ज्योतिषमती, त्रिफला शतावरी/कुरोलो, यस्तिमधु/जेठीमाधु और आवंला

स्वास्थ्य में सुधार और सुरक्षा के लिए पारंपरिक सूत्र

- ब्रह्म रसायन
- च्यवनप्राश
- अश्वगंधा लेहम
- महात्रीफला घृत
- त्रिफला चूर्ण और अश्वगंधा चूर्ण
- अगस्त्य रसायन
- आमलकी रसायन

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें:

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
तादोंग, गंगटोक (सिक्किम) - 737102
फोन नं. 03592231494
फैक्स नं. 03592231213
ईमेल:arri-gangtok@gov.in/
arri.gangtok@gmail.com

केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा, डीए में 3 फीसदी इजाफा

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट की बैठक में केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा मिला है। बैठक में सरकार ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी करने पर अपनी मुहर लगा दी है। यह एक जनवरी से लागू होगा। डीए की नई दरें लागू होने के बाद सरकार पर हर साल 9540 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा।

गौरतलब है कि सरकार के फैसले के बाद अब केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर 34 फीसदी कर दिया गया है। अभी तक कर्मचारियों को महंगाई भत्ता 31 प्रतिशत दिया जा रहा था। इसके बाद अब कर्मचारियों की सैलरी में जोरदार इजाफा देखने को मिलेगा। अगर मंहगाई भत्ता बढ़कर 34 फीसदी होता है तो वेतन में 20 हजार रुपये का इजाफा हो सकता है। सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के तहत सरकारी कर्मचारियों के डीए का निर्धारण बेसिक वेतन के आधार पर किया जाता है। बता दें कि अक्तूबर 2021 में तीन प्रतिशत बढ़ोतरी के बाद डीए 31 प्रतिशत किया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर सरकार वेतन वृद्धि की घोषणा करती है, तो इससे पूरे भारत में लगभग 48 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। पिछले साल सरकार ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते को 28 फीसदी से बढ़ाकर 31 फीसदी कर दिया था। कोविड-19 महामारी के बावजूद इन कर्मचारियों को डीए इंक्रीमेंट दिया गया। हालांकि इस संबंध में अभी सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अर्से से डीए में बढ़ोतरी की मांग कर रहे कर्मचारियों को आखिरकार सरकार की ओर से खुशखबरी दे दी गई है। पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि केंद्र सरकार होली के मौके पर केंद्रीय कर्मचारियों को डीए में बढ़ोतरी कर तोहफा दे सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हो सका था। अब तीन फीसदी की बढ़ोतरी के बाद जनवरी और फरवरी के साथ मार्च का डीए भी वेतन में जुड़कर आएगा। ऐसे में उन्हें काफी बढ़ी हुई सैलरी मिलेगी।

बता दें कि डीए में बढ़ोतरी पर सरकार की घोषणा सातवें वेतन आयोग की सिफारिश पर आधारित होगी। महंगाई भत्ता कर्मचारियों के वेतन के आधार पर दिया जाता है। शहरी, अर्ध शहरी और ग्रामीण इलाकों में नौकरी करने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता अलग-अलग होता है। इसकी गणना मूल वेतन पर होती है। पूर्व में आई रिपोर्टों पर गौर करें तो उनमें भी उम्मीद जताई गई थी कि होली से पहले सरकार डीए में बढ़ोतरी के संबंध में घोषणा करके कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दे सकती है। इस संबंध में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ा हुआ वेतन, जनवरी और फरवरी के बकाया के साथ कर्मचारियों को मार्च में दिया जाएगा।

गौरतलब है कि महंगाई भत्ता कर्मचारी के वेतन और पेंशनभोगियों की पेंशन का एक बड़ा हिस्सा है। यह भत्ता केंद्र सरकार के कर्मचारियों को उनके वेतन पर मुद्रास्फीति के प्रभाव को ऑफसेट करने के लिए दिया जाता है। 7वें वेतन आयोग (7वें सीपीसी) के तहत सरकार साल में दो बार जनवरी और जुलाई में डीए में इंक्रीमेंट देती है। डीए सरकारी कर्मचारियों के स्थानों के आधार पर भी भिन्न होता है।

न्यूनतम बेसिक सैलरी पर कैलकुलेशन को देखें तो केंद्रीय कर्मचारी की न्यूनतम बेसिक सैलरी 18,000 रुपये है। अभी तक 31 फीसदी के हिसाब से इन्हें 5580 रुपये प्रतिमाह महंगाई भत्ता मिलता है। डीए के 34 फीसदी होने के बाद यह बढ़कर 6120 रुपये प्रति माह हो जाएगा। यानी इसमें प्रतिमाह के हिसाब से 540 रुपये की बढ़ोतरी होगी। सालाना आधार पर सैलरी को देखें तो इसमें 6,480 रुपये का इजाफा देखने को मिलेगा।

अधिकतम बेसिक सैलरी की बात करें तो केंद्रीय कर्मचारियों के लिए यह 56,900 रुपये है। अभी 31 फीसदी के हिसाब से इन्हें 17,639 रुपये डीए प्रतिमाह दिया जाता है। ऐसे में 34 फीसदी के हिसाब से डीए का कैलकुलेशन करें तो यह प्रतिमाह 19,346 रुपये हो जाएगा यानी पूरे 1707 रुपये की बढ़ोतरी हो जाएगी। इस हिसाब से सालाना आधार पर इन कर्मचारियों की सैलरी 20,484 रुपये बढ़ जाएगी।

पीएम के संवाद कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' का 5वां संस्करण 1 अप्रैल को : सुजीत सक्सेना

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली, 30 मार्च। केंद्रीय विद्यालय सिंगरौली एवं नवोदय विद्यालय सिंगरौली के प्राचार्यों द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य सुजीत सक्सेना ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1 अप्रैल को परीक्षा पे चर्चा के 5वें संस्करण के दौरान दुनिया भर के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत करेंगे।

उन्होंने कहा कि परीक्षा पे चर्चा एक बहु-प्रतीक्षित वार्षिक कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री इस जीवंत कार्यक्रम में अपनी अनूठी व आकर्षक शैली में परीक्षा के तनाव से छात्रों को मुक्त करने, परीक्षा को एक उत्सव के रूप में मनाने के लिए प्रेरित करने के साथ ही छात्रों द्वारा पूछे जाने वाले सवालों के जबाब भी देंगे।

प्राचार्य सक्सेना ने कहा कि देश के कोविड-19 महामारी से उबरने और परीक्षाओं के ऑफलाइन मोड में जाने के मद्देनजर इस वर्ष के पीपीसी के महत्व पर जोर दिया। 21वीं सदी की ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण में पीपीसी जैसी पहलों के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि यह एक औपचारिक संस्था बन रही है जिसके माध्यम से प्रधानमंत्री सीधे छात्रों से बातचीत करते हैं। उन्होंने बताया कि देश के राज्यों के चुनिंदा छात्र राज्यपाल की मौजूदगी में राजभवनों में इस कार्यक्रम के पिछले चार वर्षों से साक्षी बने। इस वर्ष भी इस कार्यक्रम को स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। पीपीसी के पहले तीन संस्करण नई दिल्ली में टाउन हॉल इंटरएक्टिव प्रारूप में आयोजित किए गए थे। उन्होंने सभी विद्यालयों के प्रबंधन से अपील करते हुए कहा कि 1 अप्रैल को परीक्षा पे चर्चा संवाद कार्यक्रम से सजीव जुड़ने के लिए केन्द्रीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में भव्य व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने अन्य

सभी विद्यालयों के शिक्षकों, विद्यार्थियों व अभिभावकों से इस कार्यक्रम में सहभागी बनने हेतु अपील की है।

इस अवसर पर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य एवं पीपीसी 2022 के नोडल अधिकारी राजकुमार कस्तवार ने बताया कि प्रधानमंत्री संवाद कार्यक्रम का पहला संस्करण 'परीक्षा पे चर्चा 16 फरवरी 2018 को आयोजित किया गया था। स्कूल और कॉलेज के छात्रों के साथ उक्त विचार-विमर्श कार्यक्रम का दूसरा संस्करण 'परीक्षा पे चर्चा 29 जनवरी, 2019 को और तीसरा संस्करण 20 जनवरी, 2020 को आयोजित किया गया था। कोविड 19 महामारी के कारण, चौथा संस्करण 7 अप्रैल, 2021 को ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 1 अप्रैल को आयोजित संवाद कार्यक्रम में अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं टीवी पर देखकर जागरूक होंगे। उन्होंने नवोदय विद्यालय के बारे में भी संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में बच्चों उच्च शिक्षा से लेकर सारी सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। वार्ता के दौरान केंद्रीय विद्यालय वरिष्ठ शिक्षक राममिलन, श्रीमती प्रज्ञा सिंह, नवोदय विद्यालय के मनोज कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

वीडियो असिस्टेड थोरैकोस्कोपिक सर्जरी

सिलीगुड़ी, 30 मार्च। पिछले 2 वर्षों में कोविड के कारण सांस संबंधी बीमारियों के बारे में जागरूकता काफी हद तक बढी है।श्वसन संबंधी बहुत सारी बीमारियाँ हैं जिन्हें सर्जरी द्वारा सफलतापूर्वक संबोधित किया जा सकता है। ब्रोन्किइक्टेसिस, एस्परगिलोमा, म्यूकोर्मिकोसिस, छाती में ट्यूमर और फेफड़ों के कैंसर जैसे रोगों को थोरैसिक सर्जरी द्वारा सफलतापूर्वक संबोधित किया जा सकता है।

पहले ये सर्जरी ओपन थोरैकोटॉमी के जरिए की जाती थी; हालाँकि इनमें से अधिकांश सर्जरी वीडियो असिस्टेड थोरैकोस्कोपिक सर्जरी द्वारा की जा रही हैं। अपोलो अस्पताल, चेन्नई के सलाहकार डॉ अजय नरसिम्हन कीहोल थोरैसिक सर्जरी में समृद्ध अनुभव के साथ एक कुशल थोरैसिक सर्जन हैं और क्रमश: 26 और 27 मार्च 2022 को सिलीगुड़ी और कोलकाता में उपलब्ध होंगे और इन सेवाओं से रोगी लाभान्वित हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में 4 अप्रैल से शुरू होगी फिजिकल सुनवाई

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह 4 अप्रैल से मामलों की पूरी तरह से फिजिकल (शारीरिक) सुनवाई शुरू करेगा।

दो साल से अधिक समय के अंतराल के बाद शीर्ष अदालत फिजिकल सुनवाई शुरू करने जा रही है, क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण वर्चुअल (आभासी) सुनवाई की जा रही थी। प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमना ने कहा कि अदालत 4 अप्रैल से शारीरिक सुनवाई फिर से शुरू करेगी। उन्होंने कहा, 'सोमवार से ओपनिंग करते हुए हम फिजिकल सुनवाई शुरू कर रहे हैं।'

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सोमवार और शुक्रवार को, अदालत आभासी सुनवाई के लिए अधिवक्ताओं को लिंक प्रदान करेगी, यदि वे इसके लिए कहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने शारीरिक सुनवाई फिर से शुरू करने के फैसले की सराहना की। सिंह ने कहा, 'बार इस फैसले के लिए आभार व्यक्त करता है।'

वर्तमान में, शीर्ष अदालत मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को शारीरिक रूप से मामलों की सुनवाई कर रही है और सोमवार और शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई होती है।

शीर्ष अदालत ने कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद 23 मार्च, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मामलों की सुनवाई शुरू की थी।

7 फरवरी को, कोविड के मामलों में गिरावट की पृष्ठभूमि में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह 14 फरवरी से सीमित शारीरिक सुनवाई फिर से शुरू करेगा।

जारी किए गए एक परिपत्र में कहा गया था, 'कोविड-19 मामलों की संख्या और पॉजिटिविटी रेट में उल्लेखनीय गिरावट को देखते हुए और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, दिल्ली सरकार के एनसीटी द्वारा 4 फरवरी 2022 के आदेश के तहत जारी किए गए विभिन्न निर्देशों के आलोक में भारत के प्रधान न्यायाधीश, न्यायाधीशों की समिति के परामर्श से, यह निर्देश देने देते हैं कि न्यायालय के समक्ष सुनवाई के लिए 7 अक्टूबर, 2021 को अधिसूचित संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया को पुनर्जीवित किया जाएगा और 14 फरवरी, 2022 से न्यायालय के समक्ष सभी सुनवाई 7 अक्टूबर, 2021 को अधिसूचित उक्त संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार होगी।

पिछले साल अक्टूबर में जारी एसओपी के अनुसार, आभासी सुनवाई केवल विविध दिनों सोमवार और शुक्रवार को आयोजित की गई, जबकि बुधवार और गुरुवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामलों में अदालतों में वकीलों की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता थी।

मंगलवार को मामलों की सुनवाई फिजिकल मोड में की गई। हालांकि, पार्टी के लिए एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड द्वारा पूर्व आवेदन पर, वीडियो मोड के माध्यम से उपस्थिति की सुविधा होगी।

इस साल जनवरी की शुरुआत में कोविड के मामलों में वृद्धि के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर की एसओपी को निलंबित कर दिया था।

पुलवामा जैसा हमला करने की फिराक में लश्कर के आतंकी, सुरक्षा एजेंसियों ने भेजा अलर्ट

श्रीनगर, 30 मार्च (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकी एक बार फिर सुरक्षाबलों को निशाना बनाते हुए बड़े आंतकी हमले की साजिश रच रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इस बाबत अलर्ट जारी किया है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक कई आतंकी संगठनों के करीब 35 आतंकी लाइन ऑफ कंट्रोल के आसपास देखे गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक ये आतंकी भारत में घुसपैठ की कोशिश करेंगे और इनके निशाने पर सबसे पहले सुरक्षाबल के जवान होंगे। अलर्ट में कहा गया है कि घाटी में मौसम सामान्य हो गया है जिसका आतंकियों को भी इंतजार था। जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी के बीच घुसपैठ करना काफी मुश्किल होता है लिहाजा आतंकी भी इस मौसम का इंतजार करते हैं ताकि घुसपैठ के दौरान उन्हें मौसम की मार ना झेलनी पड़े।

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के पीर पांजाल रेंज के पास केरन के पीछे तीन आतंकी ग्रुप की मुवमेंट चल रही है। इसके अलावा लश्कर-ए-तैयबा के पांच आतंकी, हिजबुल मुजाहिद्दीन के चार आतंकी और बाकी आतंकी संगठनों के करीब पांच आतंकी भारत की सीमा में घुसपैठ के लिए पूरी तरह तैयार हैं और भारत में घुसने के लिए मौके की तलाश में हैं। इसके अलावा नौगाम के लीपा इलाके में भी पांच आतंकियों के एक ग्रुप को देखा गया है।

पीर पंजाल के दक्षिणी हिस्से में भी दो सदस्यों वाले तीन गुट देखे गए हैं। माना जा रहा है ये ग्रुप लश्कर-ए-तैयबा का है जो बिबेर गली के पीछे छिपे हैं। माना जाता है कि छिप छिपकर ये गुट सुरक्षाबलों पर हमले करता रहता है। आतंकियों की घुसपैठ की खबर के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बलों को अलर्ट भेजा है। अलर्ट में कहा गया है कि लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी श्रीनगर के बटमालू इलाके में सुरक्षाबलों पर घात लगाकर हमला कर सकते हैं।

वी के ग्राहक जीत सकते हैं आईफोन और वाउचर

सिलीगुड़ी, 30 मार्च। भारत के अग्रणी टेलीकॉम ब्रांड वी ने अपने क्रिकेट उत्साही ग्राहकों के लिए कई पहलों में भाग लेकर अद्वितीय पुरस्कार जीतने के लिए रोमांचक प्रतियोगिता शुरू की है। वी अपने ग्राहकों को मैच ब्रेक के दौरान 'वी फैन ऑफ द मैच' प्रतियोगिता खेलने और आईफोन सहित रोमांचक पुरस्कार जीतने के लिए आमंत्रित करता है। वी ग्राहक प्रत्येक मैच ब्रेक के दौरान वी फेसबुक पेज, इंस्टाग्राम पेज और ट्विटर पेज पर 'वी फैन ऑफ द मैच' खेल सकते हैं।

प्रतिभागियों को खेले जा रहे लाइव मैच से संबंधित सरल सवालों के जवाब देने होंगे। प्रत्येक मैच के लिए कुल 20 प्रश्न होंगे। अधिकतम सही उत्तर देने वालों के लिए उपहार में प्रत्येक मैच के दिन के अंत में जीता जाने वाला आईफोन और हर दिन 20 वाउचर हैं।

प्रत्येक दैनिक विजेता का नाम और फोटो वी सोशल मीडिया पेजों पर साझा किया जाएगा। हमारे डिज्नी+हॉटस्टार रिचार्ज पैक के साथ डिज्नी+हॉटस्टार पर मुफ्त में गेम देखें, और मैच के प्रत्येक दिन उपहार जीतने और सोशल मीडिया पर लोकप्रिय होने के लिए 'वी फैन ऑफ. द मैच' गेम में भाग लें।

छात्राओं को परीक्षा के लिए दूर क्यों भेजते हैं? हाईकोर्ट ने परीक्षा केंद्र दूर बनाए जाने पर कुलपति से मांगा जवाब

प्रयागराज, 30 मार्च (एजेन्सी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रज्जू भैया राज्य विश्वविद्यालय प्रयागराज से संबद्ध महाविद्यालयों की छात्राओं के परीक्षा केंद्र दूरदराज इलाके में बनाने के विरुद्ध दाखिल याचिका पर विश्वविद्यालय के कुलपति से जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार ने वित्त पोषित महाविद्यालय संघ व अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण कुमार गुप्ता को सुनकर दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण गुप्ता का कहना था कि विश्वविद्यालय शासनादेश का पालन नहीं कर रहा है।

उन्होंने कहा कि 2020 में जारी शासनादेश में यह का प्रावधान है कि छात्राओं को या तो स्वकेंद्र पर परीक्षा देनी होगी या आसपास ही उनका परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा ताकि उन्हें ज्यादा दूर न जाना पड़े। लेकिन इसके उलट विश्वविद्यालय द्वारा संबद्ध महाविद्यालयों की छात्राओं के परीक्षा केंद्र काफी दूर बनाए जा रहे हैं। इससे छात्राओं को परीक्षा देने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ता है।

वरिष्ठ अधिवक्ता का यह भी कहना था कि विश्वविद्यालय के अधिकारी जानबूझकर इस प्रकार का भेदभाव महाविद्यालयों के साथ कर रहे हैं।

कोर्ट ने विश्वविद्यालय से यह बताने के लिए कहा है कि संबद्ध महाविद्यालयों की छात्राओं के परीक्षा केंद्र इतनी दूर क्यों बनाए जा रहे हैं। जबकि शासनादेश है कि छात्राओं को परीक्षा देने के लिए ज्यादा दूर नहीं भेजा जाएगा।

वी ने पेश किया वी माईफाई

सिलीगुड़ी, 30 मार्च। भारत के अग्रणी टेलीकॉम ब्रांड वी ने अपने ग्राहकों के लिए वी फैमिली ख़लान और इंडिविजुवल पोस्टपेड ख़लान पर वी माईफाई लॉन्च किया है। वी माईफाई एक पॉकेट-साइज्ड का 4जी राउटर है जो कई उपकरणों के लिए विश्वसनीय, उच्च गति और सुरक्षित कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जबकि यह उन व्यक्तियों के लिए भी आदर्श है जो चलते-फिरते कनेक्टेड रहना चाहते हैं।

वी माईफाई 150 एमबीपीएस तक की सुपरफास्ट गति का समर्थन करता है और उपयोगकर्ताओं को मोबाइल, स्मार्ट टीवी, लैपटॉप, टैबलेट, सीसीटीवी, स्मार्ट स्पीकर और अधिक जैसे 10 वाईफाई-सक्षम उपकरणों से सुरक्षित रूप से कनेक्ट करने में सक्षम बनाता है। चिकना और हल्का, वी माईफाई एक इनबिल्ट 2700 एमएएच रिचार्जेबल बैटरी के साथ आता है जो एक बार चार्ज करने पर 5 घंटे तक निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान कर सकता है। 2000 रुपये (करों सहित) की कीमत पर, उपयोगकर्ता इस माईफाई डिवाइस को वी फैमिली पोस्टपेड प्लान के साथ ऐड-ऑन कनेक्शन के रूप में खरीद सकते हैं। यह उन परिवारों के लिए एक अनूठा प्रस्ताव है जो न केवल सदस्यों को बल्कि वी परिवार योजनाओं के भीतर माईफाई को भी जोड. सकते हैं और सभी नंबरों के लिए एकल बिल की सुविधा का आनंद ले सकते हैं। वी माईफाई 399 रुपये से शुरू होने वाले इंडिविजुवल पोस्टपेड ख़लान के साथ भी उपलब्ध है। वी माईफाई सभी प्रमुख बाजारों में 60 शहरों के चुनिंदा वी स्टोर्स पर उपलब्ध है।

चालू वर्ष के दौरान इसरो 7 उपग्रह लॉन्च कर सकता है : सरकार

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा चालू वर्ष के दौरान सात उपग्रहों को लॉन्च किए जाने की संभावना है और उपग्रह प्राप्त करने की लागत लगभग 490 करोड़ रुपये है। संसद को बुधवार को यह सूचित किया गया।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा को एक लिखित उत्तर में बताया, 'इसरो ने 14 फरवरी, 2022 को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से आईएनएस-2टीडी और इंस्पायरसैट-1 के साथ सह-यात्रियों के रूप में पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-4 को पीएसएलवी-सी52 पर सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। उपग्रहों को 524.84 किलोमीटर की ऊंचाई पर ध्रुवीय सूर्य तुल्यकालिक कक्षा में इंजेक्ट किया गया था।'

उन्होंने कहा, 'इस समय उपग्रह विभिन्न कक्षाओं में परीक्षण और अंशांकन के दौर से गुजर रहे हैं और बाद में उपग्रहों से उपलब्ध डेटा का उपयोग मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए नामित मिशन जीवन के दौरान किया जाएगा।

उपग्रह को महसूस करने के लिए लिया गया कुल समय मंजूरी की तारीख से 63 महीने है। वित्तीय और उपग्रह की प्राप्ति के लिए खर्च लगभग 490 करोड़ रुपये है।'

ईओएस-4, कृषि, आपदा प्रबंधन, जल संसाधन और वानिकी के क्षेत्रों में अनुप्रयोगों के लिए, पृथ्वी अवलोकन के लिए एक सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) इमेजिंग उपग्रह है, जो 5.4 गीगाहर्ट्ज आवृत्ति पर सी-बैंड में काम कर रहा है।

आईएनएस-2टीडी दूसरी पीढ़ी के नैनो उपग्रहों का पहला उपग्रह है, जिसका उद्देश्य कक्षा में प्रदर्शन के लिए स्वदेशी रूप से विकसित नैनो सिस्टम को प्रदर्शित करना है।

मंत्री ने कहा कि इंस्पायरसैट-1 कक्षा 9यू का एक छात्र उपग्रह है, जिसे संयुक्त रूप से भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी), तिरुवनंतपुरम और अमेरिका के बोल्डर स्थित कोलोराडो विश्वविद्यालय की अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला द्वारा आयनमंडल गतिकी और सूर्य के अध्ययन के लिए विकसित किया गया है।

अमेजन संभव समिट का अपना तीसरा संस्करण शुरु किया

सिलीगुड़ी, 30 मार्च। अमेजन इंडिया ने घोषणा की कि वह 18 और 19 मई को 'अमेजन संभव' के तीसरे संस्करण की मेजबानी करेगा। दो दिवसीय वर्चुअल मेगा समिट भारत भर में लाखों छोटे स्थानीय स्टोर और व्यवसायों के डिजिटलीकरण और आर्थिक प्रगति को सक्षम करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के सर्वोत्तम तरीकों पर चर्चा के लिए नीति निर्माताओं, प्रतिष्ठित उद्योग के लीडर्स, समाधान प्रदाताओं, स्टार्टअप और अमेजन लीडरशिप को एक साथ लाएगा।

अमेजन संभव 2022 के लिए पंजीकरण अब आधिकारिक वेबसाइट पर खुले हैं। हर साल अमेजन संभव का एक प्रमुख आकर्षण वार्षिक 'अमेजन संभव अवार्ड्स' होता है।

पिछले साल, 1200 से अधिक व्यवसायों, नवप्रवर्तकों और व्यक्तियों ने 11 श्रेणियों में संभव अवार्ड्स के लिए आवेदन किया था। इस साल संभव अवार्ड्स में 15 अलग-अलग कैटेगरी शामिल हैं, जो पथप्रदर्शक और विघटनकारी व्यावसायिक विचारों को पहचानती हैं।

अमेजन ने 10 मिलियन एमएसएमई को डिजिटल बनाने, भारत से संचयी निर्यात में 10 बिलियन उत्पन्न करने और 2025 तक भारत में 2 मिलियन नौकरियां पैदा करने का संकल्प लिया। इसने 2025 तक आरेप.ळप पर 1 मिलियन स्थानीय पडोस स्टोरों को ऑनबोर्ड करेगा। अमेजन इंडिया में भारत के उपभोक्ता व्यवसाय के कंट्री मैनेजर मनीष तिवारी ने कहा, 'हम छोटे व्यवसायों के लिए विशेष रूप से छोटे स्थानीय स्टोर और किराना दुकानों को डिजिटल रूप से सक्षम करने के लिए नवाचार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

आईबीएम की स्थिति दयनीय रहने का एसपीवाईएफ ने लगाया आरोप

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 मार्च । सिक्किम प्रोग्रेसिव यूथ फोरम (एसपीवाईएफ) ने आईबीएम में अव्यवस्था रहने का आरोप लगायास है।

एसपीवाईएफ की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, इसके सदस्य सिक्किम के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करने के क्रम में रंगपो आईबीएम भी गए। एसपीवाईएफ ने कहा कि आईबीएम नाम सुनने पर अच्छा लगता है लेकिन वास्तविकता कहीं इसके विपरीत है। इस क्षेत्र के भ्रमण के दौरान एसपीवाईएफ के सदस्यों ने स्थानीय लोगों से कई विषयों पर बातचीत की।

एसपीवाईएफ ने कहा कि इस क्षेत्र में पीने के पानी की प्रमुख समस्या है। यहां पेयजल का एक मुख्य स्रोत जमीन के अंदर से निकलता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां भूजल का स्तर लगातार गिर रहा है। पहले यहां खोला का पानी आईबीएम के पास से गुजरता था लेकिन अब इसका स्तर घट गया है और यह काफी दूर चला गया है। सरकार की ओर से भी यहां के लिए अच्छी व्यवस्था नहीं की जा रही है। यहां की सड़क की भी स्थिति अत्यंत ही दयनीय है। यहां नाली और ड्रनेज की भी कोई व्यवस्था नहीं है। एसपीवाईएफ ने इसकी भी व्यवस्था करने की मांग की है। बारिश का पानी यहां वहां जम जाता है जिससे डेंगू व मलेरिया का खतरा बना रहता है। यह अव्यवस्था कमजोर प्रबंधन के कारण है। यहां चारों ओर गंदगी का आलम है। औद्योगिक रूप से विकसित होने के बावजूद यहां आर्थिक विकास नहीं हुआ है। एसपीवाईएफ ने इस क्षेत्र के लिए बेहतर व्यवस्था की मांग की है।

गेजिंग बाजार में 12 से लगेगा सांध्यकालीन बाजार

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 30 मार्च । अखिल सिक्किम व्यापारी वर्ग कल्याण संघ की गेजिंग शाखा ने स्थानीय नागरिकों को व्यापार क्षेत्र में प्रोत्साहित करने हेतु गेजिंग बाजार में आगामी 12 से 26 अप्रैल तक सांध्यकालीन बाजार लगाने का फैसला किया है। आज यहां एक पत्रकार सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए संघ की ओर से बताया गया कि इस बाजार में कुल 27 स्टॉल तैयार किये गये हैं जिनमें स्थानीय व्यापारी, स्वयं सहायता समूह के अलावा अन्य लोग अपनी दुकानें लगा सकते हैं।

संघ के अध्यक्ष एलबी राई, महासचिव संतोष गौतम, कोषाध्यक्ष हरि माया गुरुंग, सह-कोषाध्यक्ष रेविका शर्मा एवं प्रचार सचिव कृष्ण सुब्बा ने उक्त पत्रकार सम्मेलन में शामिल होकर बताया कि दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक चलने वाले उक्त सांध्यकालीन बाजार में दुकानें लगाने के इच्छुक लोग गेजिंग बाजार के गौतम इंटरप्राइज और शॉपिंग मॉल से फॉर्म संग्रह कर आवेदन कर सकते हैं।

वहीं इस सांध्यकालीन बाजार लगाये जाने के उद्देश्य के बारे में बताते हुए संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि इलाके में घर निर्माण हेतु आवश्यक सामानों को एक ही जगह पर सरलता से मुहैया कराने तथा स्थानीय व्यापारियों को प्रोत्साहित करने हेतु ही यह बाजार लगाने का निर्णय लिया गया है। संघ पदाधिकारियों के अनुसार इसके साथ ही पेलिंग में मौजूदा समय में काफी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटकों की मौजूदगी को देखते हुए इस बाजार से स्थानीय पर्यटन, संस्कृति एवं खान-पान को बढ़ावा मिलेगा।

राजनीति में हिंसा .....

की सलाह दी है।

डॉ. गिरी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सदैव नीति व सिद्धांतों के साथ भाजपा विगत आठ वर्षों से केंद्र की सत्ता पर काबिज है। पार्टी के राजनीतिक क्रियाकलापों में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा, भाजपा एक जिम्मेदार पार्टी है और अपने राजनीतिक सहयोगी के साथ गलत होने पर उसे बर्दाश्त नहीं कर सकती। ऐसी स्थिति में पार्टी मूकदर्शक बन कर नहीं रह सकती है। हम गलत को गलत और सही को सही बताने की नीति के साथ जिम्मेदार राजनीतिक करते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर अपना जनाधार खो चुकी पार्टी द्वारा भाजपा जैसी पार्टी को राजनीतिक सीख देना हास्यास्पद ही है।

वहीं विज्ञप्ति में राज्य में हुई राजनीतिक हिंसा व झड़प के बारे में कहा गया है कि भाजपा कभी भी इस प्रकार के क्रियाकलाप का समर्थन नहीं करती है। पार्टी को उम्मीद है कि प्रशासन इस सम्बंध में आवश्यक कदम उठाते हुए दोषियों को दंडित करेगा और आगामी दिनों में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की दिशा में कदम उठायेगा।

सीएम ने जापान .....

मुख्यमंत्री ने नकदी फसलों के उत्पादन में नये आयाम हेतु किसानों की कार्यशाला आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।

बाद में बैठक में उनलोगों ने आपदा प्रबंधन तथा जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की।

इस सम्बंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार हिमालय क्षेत्र में साझा हित के मामलों को पूरा करने की उत्कृष्टता हेतु नेताजी सुभाष चन्द्र बोस यूनीवर्सिटी की स्थापना कर रही है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस पहल से भूटान, नेपाल तथा म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों को भी मदद मिलेगी। इस बीच उनलोगों ने प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक मूल्यों पर केंद्रित पर्यटन तथा आतिथ्य क्षेत्र के बढ़ावे हेतु योजनाओं पर भी बात की। इस अवसर पर सिक्किम के कैबिनेट मंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी, अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा प्रतिनिधि एवं अधिकारी भी मौजूद रहे।

हाइड्रोजन से चलने वाली कार से संसद पहुंचे गडकरी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी बुधवार को देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन आधारित कार से संसद पहुंचे।

'ग्रीन हाइड्रोजन' द्वारा संचालित कार का प्रदर्शन करते हुए गडकरी ने हाइड्रोजन, ईंधन सेल इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी और भारत के लिए हाइड्रोजन-आधारित सोसाइटी का समर्थन करने के लिए इसके लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

संसद भवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए सड़क परिवहन मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और इसका खामियाजा आम आदमी को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'वर्तमान में हम 8 लाख करोड़ रुपये का कच्चा तेल आयात करते हैं। अगर हमें आत्मनिर्भर देश बनना है, तो हमें भारत में हाइड्रोजन आधारित ईंधन का उत्पादन करना होगा।'

मंत्री ने आश्वासन दिया कि भारत में ग्रीन हाइड्रोजन का निर्माण किया जाएगा। गडकरी ने कहा, 'देश में स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। भारत जल्द ही ग्रीन हाइड्रोजन निर्यातक देश बन जाएगा।'

उन्होंने कहा, 'भारत में स्वच्छ और अत्याधुनिक गतिशीलता के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑष्टिकोण के अनुरूप, हमारी सरकार, राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से हरित और स्वच्छ ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

हाइड्रोजन ईंधन की लागत के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री ने कहा कि लोगों को इसकी लागत लगभग 2 रुपये प्रति किलोमीटर होने की संभावना है, जो अन्य ईंधनों की तुलना में काफी कम है।

गडकरी ने कहा कि सरकार ना केवल इसका उत्पादन करेगी, बल्कि ग्रीन हाइड्रोजन के निर्यात की भी योजना है। 'यह एक बड़ी क्रांति है।'

गैर बीजेपी विपक्ष समय की मांग, ममता इसकी स्तंभ : मनु सिंघवी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी दलों की एकजुटता समय की मांग है और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसकी स्तंभ हैं।

पार्टी प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य सिंघवी ने ट्वीट किया, गैर भाजपा विपक्ष समय की मांग है। ममता इसकी स्तंभ हैं। 2024 के लिए राज्यवार हर घटक को समन्वय के साथ एकजुट करना होगा ताकि मतों के विभाजन को रोका जा सके। भाजपा की सर्वश्रेष्ठ जीत भी, डाले गए कुल मतों के 39 प्रतिशत से आगे नहीं गई।

उन्होंने यह भी कहा कि ममता और दूसरे सभी लोगों को, भाजपा विरोधी दायरे को एकजुट करने के लिए संयम के साथ पूरा जोर लगाना होगा।

गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विपक्षी दलों के नेताओं को पत्र लिखकर उनसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने की अपील की है।

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख के तौर पर लिखे गए पत्र में बनर्जी ने भाजपा से मुकाबला करने की रणनीतियों पर चर्चा करने और एकजुट एवं सैद्धांतिक विपक्ष बनाने का संकल्प लेने के लिए एक बैठक करने की अपील की, ताकि ऐसी सरकार बनाने की तैयारी की जा सके, जिसका देश हकदार है।

उधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता के इस बयान को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बीरभूम हिंसा के असर को देखकर भयभीत हैं और

वह इससे ध्यान भटकाने के लिए विपक्षी एकजुटता के बारे में बात कर रही हैं।

लोकसभा में कांग्रेस के नेता ने यह भी कहा था कि हिंसा की इस घटना से प्रदेश की छवि धूमिल हुई है और देश भर में लोग पश्चिम बंगाल सरकार की निंदा कर रहे हैं।

बिहार विधानसभा में हंगामा, एआईएमआईएम विधायक को स्पीकर ने मार्शल से बाहर कराया

पटना, 30 मार्च (का.सं.)। बिहार विधानसभा में बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के विधायक को सदन से बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद वे धरने पर बैठ गए। एआईएमआईएम विधायक अख्तरुल इमान कार्य स्थगन प्रस्ताव की मांग कर रहे थे। वे इस दौरान सदन में बेल के अंदर तक आ गए। इसके बाद स्पीकर ने उन्हें मार्शल से बाहर करवाया।

बिहार में ओवैसी की पार्टी के 5 विधायक हैं। अख्तरुल इमान विधानसभा में एआईएमआईएम के नेता हैं। अख्तरुल इमान सदन में सीमांचल में नदियों और कटाव का मुद्दा उठा रहे थे। वह इसे लेकर कार्य स्थगन प्रस्ताव की मांग कर रहे थे। मांग करते हुए ही वह बेल के अंदर आ गए और हंगामा करने लगे। इस पर स्पीकर ने मार्शलों के जरिये उन्हें सदन से बाहर किया। उनके बाहर आने पर पार्टी के अन्य चार विधायक भी बाहर आ गए और विधानसभा परिसर में ही धरने पर बैठ गए।

विधानसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। सदस्यों ने स्थगन प्रस्तावों को तुरंत लेने की मांग की। अन्य बातों के अलावा पटना के दानापुर में मुख्यमंत्री की पार्टी के एक कार्यकर्ता की हत्या की सीबीआई जांच और भोजपुर में 1857 के नायक वीर कुंवर सिंह के वंशज की रहस्यमयी मौत की न्यायिक जांच की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव पेश किए।

हालांकि स्पीकर विजय कुमार सिन्हा ने सदस्यों से उचित समय तक प्रतीक्षा करने को कहा। जब उन्होंने प्रश्नकाल के बाद स्थगन प्रस्तावों को पढ़ा और ठुकरा दिया तो सदन में हंगामा तेज हो गया। कई सदस्य वेल तक पहुंचे तो अध्यक्ष ने नाराजगी जाहिर की और अपनी सीटों पर लौटने के साथ ही संक्षेप में अपनी बात रखने के लिए कहा।

महबूब आलम (भाकपा-माले), अरुण शंकर सिंह (कांग्रेस) और मुकेश रौशन (राजद) जैसे विधायकों ने उपरोक्त हत्या के मामलों की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब हो गई है, यहां तक कि मुख्यमंत्री भी सुरक्षित नहीं हैं।

सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की भाषा पर भी आपत्ति जताई। वह अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय में बार-बार 'हिंदुओं के उत्पीड़न' का आरोप लगाते रहे हैं और स्थानीय प्रशासन पर 'तुष्टिकरण की राजनीति' में शामिल होने का आरोप लगाया है। हंगामे के बीच एआईएमआईएम विधायक अख्तरुल ईमान वेल में पहुंच गए। स्पीकर ने उन्हें बार-बार वेल में प्रवेश करने से मना किया और फटकार लगाई। इसके बाद मार्शल के जरिये उन्हें सदन से बाहर कराया।

बाद में स्पीकर ने राजद के मुख्य सचेतक ललित यादव द्वारा असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के विधायक की ओर से खेद व्यक्त करने के बाद ईमान को निलंबित करने के अपने आदेश को रद्द कर दिया। स्पीकर ने कहा कि ईमान लंच के बाद के सत्र में सदन में शामिल हो सकते हैं।

इस बीच, एआईएमआईएम की बिहार इकाई के प्रमुख ईमान अपनी पार्टी के अन्य विधायकों के साथ विरोध में बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि मैंने उन मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव पेश किया था जो विशेष रूप से मेरे बाढ़ प्रभावित सीमांचल क्षेत्र को प्रभावित करते हैं। मैं चाहता था कि सत्र समाप्त होने के बाद से मेरी आवाज सुनी जाए। मैं इस बात से दुखी हूं कि मेरे साथ ऐसा व्यवहार किया गया। कहा कि सदस्यों का वेल में जाना कोई असामान्य घटना नहीं है।

एसआईटी ने यूपी सरकार से की आशीष की जमानत के खिलाफ अपील करने की सिफारिश

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत के खिलाफ अपील दायर करने की उत्तर प्रदेश सरकार से सिफारिश की है। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमन, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने एसआईटी की सिफारिश के मद्देनजर राज्य सरकार से सोमवार तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई चार अप्रैल को करेगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के पुत्र आशीष को 10 फरवरी को जमानत दी थी। जमानत के खिलाफ पीड़ित किसानों के परिजनों और दो वकीलों ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। लखीमपुर में कथित रूप से आशीष की कार से कुचलकर मारे गए किसानों के परिजनों की ओर से वकील प्रशांत भूषण ने आशीष की जमानत रद्द करने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी।

मृतक किसानों के परिजनों का नेतृत्व कर रहे जगजीत सिंह की ओर से अधिवक्ता श्री भूषण ने फरवरी में विशेष अनुमति याचिका दायर की। याचिकाकर्ता ने जमानत दिए जाने के लिए अपनाए गए मापदंडों को कानूनी प्रक्रिया एवं न्याय की अनदेखी करार दिया है। किसानों के परिजनों से कुछ दिन पहले अधिवक्ता सी एस पांडा और शिव कुमार त्रिपाठी ने भी जमानत के खिलाफ सर्वोच्च अदालत में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। इन वकीलों की याचिका पर ही शीर्ष न्यायालय ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की थी।

लखीमपुर खीरी में पिछले साल तीन अक्टूबर को कथित रूप से आशीष की कार से कुचलकर चार किसानों की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद भड़की हिंसा में दो भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा कार चालक एवं एक पत्रकार की मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद इस मामले में वकील पांडा एवं त्रिपाठी ने जनहित याचिका के साथ पिछले साल शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। तब अदालत ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन के नेतृत्व में पूरे मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की थी।

किसानों के परिजनों की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि उच्च न्यायालय ने 10 फरवरी के अपने आदेश में आशीष को जमानत देने में अनुचित और मनमाने ढंग से विवेक का इस्तेमाल किया। याचिका में दावा किया गया है कि उन्हें कई आवश्यक दस्तावेज उच्च न्यायालय के संज्ञान में लाने से रोका गया था। उनके वकील को 18 जनवरी 2022 को वर्चुअल सुनवाई से तकनीकी कारणों से 'डिस्कनेक्ट' कर दिया गया तथा इस संबंध में अदालत के कर्मचारियों को बार-बार फोन कर संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन कॉल कनेक्ट नहीं हो पाया था। याचिकाकर्ता का दावा है कि इस तरह से उनकी आशीष की जमानत का विरोध करने वाली याचिका प्रभावी सुनवाई किए बिना खारिज कर दी गई थी।

जगजीत सिंह के नेतृत्व में दायर याचिका में कहा गया है कि शीर्ष

अदालत का दरवाजा खटखटाने की वजहों में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आशीष की जमानत के खिलाफ अपील दायर नहीं करना भी एक कारण है।किसानों की ओर से दायर याचिका में कहना है कि उत्तर प्रदेश में उसी दल की सरकार है, जिस दल कि सरकार में आरोपी आशीष के पिता केंद्र में राज्य मंत्री हैं। शायद इसी वजह से प्रदेश सरकार ने जमानत के खिलाफ शीर्ष अदालत में याचिका दायर नहीं की थी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उच्च न्यायालय अपराध की जघन्य प्रकृति पर विचार करने में विफल रहा। उनका कहना है कि गवाहों के संदर्भ में आरोपी की स्थिति उसके न्याय से भागने, अपराध को दोहराने, गवाहों के साथ छेड़छाड़ और न्याय के रास्ते में बाधा डालने की आशंकाओं से भरा पड़ा है।

आशीष को उत्तर प्रदेश पुलिस ने पिछले साल नौ अक्टूबर को तीन अक्टूबर की हिंसक घटना से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था। तीन अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के लखीमपुर खीरी के एक कार्यक्रम का विरोध करने के दौरान हिंसक घटनाएं हुई थी। ये किसान केंद्र के तत्कालीन तीन कृषि कानूनों (अब रद्द कर दिए गए) के खिलाफ लंबे समय से आंदोलन कर रहे थे।

केंद्रीय राज्य मंत्री के पुत्र आशीष की जमानत को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि जमानत का प्रभावी ढंग से विरोध नहीं करने के उस पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से गलत एवं असत्य हैं। सरकार ने पिछले दिनों दाखिल हलफनामे में कहा था कि उच्च न्यायालय द्वारा आशीष को 10 फरवरी को जमानत देने के आदेश को चुनौती देने का निर्णय संबंधित अधिकारियों के समक्ष विचाराधीन है।

गवाहों को सुरक्षा प्रदान करने के शीर्ष अदालत के आदेश पर सरकार ने कहा है कि उसने घटना से संबंधित 98 गवाहों को सुरक्षा प्रदान की है। सभी गवाहों की सुरक्षा का जायजा पुलिस द्वारा नियमित रूप से लिया जाता है। हाल ही में टेलीफोन के माध्यम से उनसे बातचीत की गई थी।

गवाहों ने 20 मार्च को अपनी सुरक्षा पर संतोष व्यक्त किया था। बातचीत के दौरान बताया गया कि यदि उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है तो वे तुरंत अपने संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर तुरंत सहायता ले सकते हैं।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
Draw No:70 DrawDate on:30/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 78A 12318
Cons. Prize Rs.1000/- 12318 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02936 44790 58884 65045 72772 74665 83082 91291 91347 93254
3rd Prize ₹450/-
1088 2235 2924 3049 4797 5020 5814 6775 6911 9490
4th Prize ₹250/-
0656 1513 2562 4114 5651 6253 7916 8367 8780 9430
5th Prize ₹120/-
0140 0237 0285 0298 0542 0681 0984 1028 1147 1219
1243 2008 2117 2692 2698 2705 2723 2762 2854 2942
3056 3157 3220 3472 3588 3610 3787 3867 3912 4005
4190 4324 4639 4850 4986 4998 5088 5156 5242 5344
5346 5414 5747 5782 5796 5809 5901 5904 6008 6038
6241 6529 6532 6587 6684 6831 6869 6907 6915 7175
7349 7359 7490 7560 7620 7637 7673 7761 7815 7822
7997 8006 8015 8037 8105 8229 8271 8279 8540 8552
8623 8630 8657 8733 8975 9021 9135 9212 9235 9286
9294 9312 9314 9343 9434 9486 9773 9799 9878 9907
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
Draw No:170 DrawDate on:30/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 76G 39404
Cons. Prize Rs.1000/- 39404 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
17643 18513 23404 26075 31921 60091 82633 85274 87570 93252
3rd Prize ₹450/-
0147 1691 3775 4718 5174 5304 5520 6644 9660 9792
4th Prize ₹250/-
0621 0996 1151 2318 4680 5037 5220 5262 8084 9164
5th Prize ₹120/-
0079 0144 0152 0270 0325 0687 0766 0823 0873 0955
1027 1037 1288 1426 1500 1520 1561 1773 2320 2715
2762 2918 2930 2981 3097 3169 3201 3319 3323 3439
3557 3582 3768 3959 4133 4134 4309 4504 4510 4815
4916 4971 4976 5015 5053 5086 5107 5210 5342 5353
5375 5549 5726 5801 5914 6114 6198 6233 6318 6340
6412 6429 6558 6736 6754 6874 6887 6926 6987 7043
7193 7219 7296 7359 7484 7556 7627 7683 7983 8113
8198 8310 8471 8742 8934 9033 9046 9091 9131 9172
9291 9351 9555 9609 9654 9733 9773 9829 9845 9987
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
Draw No:70 DrawDate on:30/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 73H 28430
Cons. Prize Rs.1000/- 28430 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
03952 04222 36625 41379 43437 48239 52489 62588 73239 75337
3rd Prize ₹450/-
1360 2339 2358 3484 5592 6128 7808 8109 9159 9992
4th Prize ₹250/-
1295 1381 3005 3572 6581 8456 9082 9282 9371 9429
5th Prize ₹120/-
0076 0085 0121 0154 0190 0239 0243 0323 0345 0362
0479 0673 0822 0962 1001 1233 1272 1277 1685 1719
1864 1992 2109 2432 2730 2860 2974 3027 3123 3273
3353 3379 3408 3853 3886 3911 3917 3944 3966 4116
4428 4591 4848 5052 5064 5123 5142 5164 5463 5736
5930 6062 6216 6264 6310 6445 6595 6653 6706 6763
6817 6829 6846 6912 6951 7062 7067 7177 7323 7656
7843 7873 8071 8144 8274 8321 8340 8439 8441 8461
8474 8490 8659 8694 8720 8785 8843 8933 8934 8992
9020 9022 9038 9045 9165 9462 9634 9764 9853 9978
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

पूर्वोत्तर में नई उम्मीद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मध्यस्थता के कारण असम और मेघालय के बीच करीब पांच दशक पुराने सीमा विवाद को खत्म करने को लेकर बनी सहमति एक बड़ी कामयाबी है। यकीनन, इससे भारतीय संघ-राज्य की परिकल्पना और मजबूत हुई है। संघीय ढांचे में दो राज्यों या दो प्रशासनिक इकाइयों के बीच भौगोलिक सीमाओं या संसाधनों के बंटवारे को लेकर मतभेद एक सामान्य बात है। ऐसे किसी विवाद में आदर्श स्थिति तो यही है कि संबंधित सूबों के मुख्यमंत्री या प्रशासक भारतीय संविधान की भावना का आदर करते हुए आपसी समझ-बूझ से इसे दूर कर लें, क्योंकि सभी प्रदेशों में बसने वाले लोग अंतत: अखंड भारत के ही नागरिक हैं और किसी के हितों की अनदेखी उचित नहीं है। पर अमूमन ऐसा होता नहीं है, मुद्दे उलझते जाते हैं और फिर वे केंद्र के पास या अदालत की शरण में पहुंच जाते हैं। कई बार तो ये हिंसक मोड़ भी ले लेते हैं, जैसा कि असम और मेघालय के मामले में पिछली जुलाई में हुआ था। तब दोनों सूबों के सुरक्षाबलों की झड़प में असम पुलिस के कई जवानों की जान चली गई थी और केंद्र को हस्तक्षेप करना पड़ा था।

सन- 1972 में असम से ही काटकर मेघालय का गठन हुआ था और तभी से करीब 500 वर्गमील इलाके पर अधिकार को लेकर दोनों राज्यों में अनबन रही है। ऐसे में, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सक्रिय हस्तक्षेप के बाद अब दोनों पड़ोसी राज्यों ने विवाद के 12 में से छह बड़े बिंदुओं पर समझौता कर लिया है। उम्मीद है, बकाया मुद्दे भी जल्द सुलझा लिए जाएंगे। वैसे भी, दोनों प्रदेशों में एनडीए की सरकारें हैं, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुरू से खास तौर पर पूर्वोत्तर के आर्थिक विकास की पैरोकारी करते रहे हैं। उनकी सरकार बखूबी जानती है कि जब तक इन प्रदेशों में स्थायी शांति नहीं होगी, तब तक उनका विकास अवरुद्ध रहेगा। इसीलिए पूर्वोत्तर के प्रदेशों में कई स्तरों पर शांति-वार्ताएं की जाती रही हैं, और इनके नतीजे भी मिले हैं। खुद केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा है, पिछले तीन वर्षों के दौरान इन प्रदेशों में 6,900 सशस्त्र विद्रोहियों ने आत्म-समर्पण किया है। यह दुखद है कि देश के दो सबसे खूबसूरत भौगोलिक इलाके, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर ज्यादातर अशांति की चपेट में रहे और न तो विदेशी-घरेलू पर्यटकों की मेजबानी के जरिये ये अपना आर्थिक हित साध सके, और न ही देश की औद्योगिक तरक्की का लाभ उठा सके। इन प्रदेशों में न रेलवे का विस्तार हुआ और न ही सड़कों का पर्याप्त विकास हो सका। निस्संदेह, इन प्रदेशों के राजनीतिक नेतृत्व की यह सामूहिक विफलता है, क्योंकि उन्होंने अपने सियासी नफे-नुकसान के कारण क्षेत्रीय आकांक्षाओं की लगातार अनदेखी की। ऐसे में, असम और मेघालय के बीच हुआ ताजा समझौता नई आशा जगाता है कि पूर्वोत्तर में अमन बहाली के काम को अब और गति मिल सकेगी। चूंकि असम के मुख्यमंत्री पिछले कई वर्षों से पूर्वोत्तर में भारतीय जनता पार्टी के बड़े रणनीतिकारों में शामिल रहे हैं, ऐसे में स्थानीय हितधारकों से उनका संपर्क-संवाद स्वाभाविक है। केंद्र सरकार इसका लाभ उठाते हुए यदि वहां व्यापक क्षेत्रीय समझ विकसित कर सकी, तो पूर्वोत्तर के साथ-साथ पूरे भारत को इसका फायदा होगा। देश के कई पड़ोसी प्रदेशों में अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों की सरकारें हैं, जिनके बीच दशकों से तरह-तरह के विवाद हैं। उनके लिए भी यह समझौता एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है।

संपादकीय पृष्ठ

कल्याणकारी योजनाओं की राजनीति

बद्री नारायण

केंद्र की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को छह माह के लिए बढ़ा दिया है। माना जा रहा है कि इससे गरीब सामाजिक समूहों के करीब 80 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे। उत्तर प्रदेश की नव-निर्वाचित सरकार ने भी मंत्रिमंडल की पहली बैठक में इस योजना को तीन माह के लिए बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि यह योजना कोरोना महामारी के भयावह आघात झेल रहे गरीब सामाजिक समूहों को राहत देने के लिए शुरू की गई थी। अब माना जा रहा है कि महामारी के नियंत्रित होने के बावजूद देश में रोजगार, अर्थव्यवस्था व समाज अपने सहज लय में नहीं आ पाए हैं। ऐसे में, गरीब कल्याण अन्न योजना का विस्तार लोगों को राहत देगा।

यूं तो राशन वितरण की परियोजनाएं दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में 90 के दशक के आसपास ही शुरू हो गई थीं, लेकिन खाद्य सुरक्षा को कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने एक केंद्रीय पहल के रूप में लागू किया। साल 2014 में जब भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार केंद्र में आई, तो उसने अनेक प्रकार की गरीब कल्याण योजनाएं शुरू कीं और उनका वितरण आधार तल तक हो पाए, इस पर सजग ढंग से काम किया। यही वजह है कि कोरोना-काल में प्रारंभ की गई यह राशन योजना आज विश्व के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के रूप में जानी जाती है।

वैश्विक रूप से देखें, तो चाहे पश्चिमी देश हों या भारत जैसा दक्षिणी एशियाई देश, लगभग सभी जगह जनतंत्र कल्याणकारी योजनाओं के साथ समाहित होकर ही आगे बढ़ता रहा है। किंतु 90 के दशक में नव-उदारवादी व्यवस्था लागू होने के बाद बाजार के आक्रामक विस्तार के कारण कई व्याख्याकार मानने लगे थे कि भारत अपने लोक-कल्याणकारी मॉडल को छोड़ देगा। मगर यह आशंका लगभग निर्मूल हो रही है, क्योंकि केंद्र ने बाजार के विस्तार की परिस्थिति बनाने की दिशा में काम करते हुए भी अपनी कल्याणकारी प्रतिबद्धताओं को नहीं त्यागा। उज्ज्वला योजना, डायरेक्ट कैश ट्रांसफर योजना, पेंशन योजना, आयुष्मान भारत योजना, मुफ्त राशन योजना, किसान सम्मान निधि जैसी कई योजनाएं शुरू की गई हैं।

कोरोना महामारी ने ऐसी कल्याणकारी योजनाओं की जरूरत और बढ़ा दी है। इन कल्याणकारी योजनाओं ने लाभार्थियों का एक ऐसा बड़ा वर्ग विकसित किया है, ऐसे सामाजिक सहयोग उनमें विकास की आकांक्षा करने की शक्ति बढ़ाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो ये परियोजनाएं हाशिये के समाज को विकास के स्वख्न देखने की शक्ति प्रदान करती हैं।

कुछ लोगों का मानना है कि राज्य को ऐसी कल्याणकारी योजनाओं से धीरे-धीरे मुक्ति पा लेनी होगी। सामाजिक समूहों में उद्यमिता का विकास कर उन्हें स्वावलंबी बनाने की कोशिश करनी होगी। यह बात ठीक है, और सरकार उद्यमिता विकास एवं स्वरोजगार सृजन के अनेक प्रयासों के जरिये इस दिशा में काम भी कर रही है, लेकिन गरीब कल्याणकारी योजनाएं समाज की जरूरत हैं और राष्ट्र की नैतिक प्रतिबद्धता भी। पूरी दुनिया में चाहे वामपंथी शासन हो या फिर दक्षिणपंथी या लोकतंत्र, अपने-अपने समाज की आवश्यकताओं के हिसाब से सबको लोक-कल्याणकारी योजनाओं के साथ ही चलना पड़ रहा है। ऐसे में, राज्य पर बढ़ते आर्थिक दबाव के बावजूद गरीब कल्याण की योजनाएं गरीब एवं अति गरीब सामाजिक समूहों के लिए एक प्रकार से जीवनधारा की तरह हैं।

यह ठीक है कि ऐसी लोकप्रिय योजनाओं से सत्तासीन दलों के पक्ष में राजनीतिक गोलबंदी होती है। किंतु इसे अगर विकास की राजनीति के संदर्भ में देखें, तो आगामी समय में जिस विकास-लक्ष्य की तरफ देश को बढ़ना है, उसमें राजनीति को विकास केंद्रित होना ही पड़ेगा। राज्य-सत्ता को आर्थिक रूप से गतिशील समूहों, जैसे उद्योग, व्यवसाय, बाजार से जुडे. लोगों के साथ ही लोकप्रिय गरीब कल्याण योजनाओं पर सतत रूप से कार्य करना होगा। केंद्र सरकार ऐसी ही विकास केंद्रित राजनीति, जिसमें अंत्योदय एवं गरीब कल्याण एक जरूरी तत्व हैं, के पक्ष में खड़ी दिखती है। शायद इसीलिए हालिया विधानसभा चुनावों में गरीब कल्याण का कैंपेन भाजपा के चुनाव-विमर्श का मुख्य तत्व रहा और इसने समाज के गरीब समूहों को राजनीतिक रूप से उसके पक्ष में मोड़ने में मुख्य भूमिका निभाई। हमने देखा कि हिंदुत्व की आम समझ, विकास की आकांक्षा, गरीब कल्याण कार्यक्रमों से उत्पन्न जुड़ाव, सामाजिक इंजीनियरिंग, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि, इन सबने मिलकर विधानसभा चुनावों में भाजपा का राजनीतिक लोकगीत रचा है।

मगर विकास केंद्रित राजनीति की अपनी चुनौतियां भी होती हैं। यह एक ऐसी लाभार्थी चेतना को विकसित करती है, जो सतत सक्रिय एवं विकासमान होती है। राष्ट्र को उस लाभार्थी चेतना को बार-बार बदलती जरूरतों के हिसाब से नई-नई योजनाओं के जरिये प्रतिक्रिया देना होता है। इस चेतना में अग्रगामी एवं प्रतिगामी, दोनों भाव निहित होते हैं। अत: राज्य को सतत रूप से इसका मूल्यांकन और इसे नए ढंग से संबोधित करना ही होता है। दूसरी चुनौती यह है कि विकास की राजनीति में सामाजिक संतुलन को बनाए रखना एक कठिन कार्य है। यह अस्मिता की राजनीति की तरह आसान काम नहीं होता, वरन यह कार्य एक बंधी हुई रस्सी पर चलने की तरह कठिन व जटिल होता है। किंतु सामाजिक परिवर्तन के लिए ऐसे खतरे उठाने ही होते हैं और जो राजनीतिक दल या नेता खतरे उठाते हुए लक्ष्य को साध लेता है, वह लोकप्रियता के शीर्ष पर पहुंच जाता है।

विकास की यह राजनीति एक घाट पर बाघ और बकरी के लिए साथ-साथ पानी पीने की परिस्थिति बनाने जैसा कठिन और दुरूह है, जिसकी इच्छा महात्मा गांधी ने की थी। शायद इसीलिए उन्होंने विकास का मूल्यांकन समाज के अंतिम आदमी के संदर्भ में करने के लिए हम सबको प्रेरित किया था। देखना है कि भारतीय जनतंत्र लोक-कल्याणकारी प्रतिबद्धता के साथ अपने रिश्ते को संतुलित रखते हुए कैसे नया भारत बनाने के मिशन को आगे बढ़ा पाता है?

ईमानदार व्याख्या की दरकार

अवधेश कुमार

देश ने ऐसा दृश्य पहले कभी देखा नहीं था। एक बड़ा समूह हैरत से देख रहा है कि सिनेमा को लेकर ऐसा माहौल कैसे बना! वास्तव में द कश्मीर फाइल्स आम दृष्टिकोण से है तो एक फिल्म ही है।

यह फिल्म 90 के दशक में कश्मीरी हिंदुओं के विरु द्ध इस्लामी जिहाद के नाम पर पैदा किए गए विध्वंस और आतंक की कहानी है, जिसके कारण उन्हें घाटी छोड़ने को मजबूर होना पड़ा या छोड़ने को बाध्य किया गया। विषय नया नहीं है। इसे मीडिया, डॉक्यूमेंट्री पुस्तकों और कुछ फिल्मों के माध्यम से पहले भी सामने लाया गया। अन्य मंचों पर भी ये उठाए जाते रहे हैं।

द कश्मीर फाइल्स फिल्म अभिनय और कला की दृष्टि से उत्कृष्ट है या नहीं यह विषय समीक्षकों का है।

समीक्षक इसको जितना अंक दें जनता ने इसे अब तक की सभी भारतीय फिल्मों की तुलना में सर्वाधिक अंक और सर्वोच्च स्थान दे दिया है।

कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट होती है, पिछले फिल्म के दर्शकों और कमाई का रिकॉर्ड तोड़ती है यहां तक सब सामान्य माना जाएगा। इस फिल्म ने इन सबसे परे न केवल भारत बल्कि बाहर भारतीयों एवं भारत में रु चि रखने वाले समूहों के अंदर जैसा आलोड़न पैदा किया वह अद्भुत है। ऐसे वीडियो और तस्वीरें आ रही हैं, जिसमें लोग झंडे लिये, नारा लगाते, गीत गाते, झूमते बड़े-बड़े समूहों में सिनेमाहॉल जा रहे हैं। ऐसे लोग जो वर्षों से हॉल नहीं गए वे भी अपने दोस्तों, परिवार के साथ द कश्मीर फाइल्स देखने जा रहे हैं। संवेग इतना है कि लोग अपील कर रहे हैं कि इसे जितनी बार चाहो देखो ताकि सारे रिकॉर्ड तोड़ दे।

इस तरह के सामूहिक व्यवहार एवं माहौल को समझने के लिए थोड़ी गहराई से विचार करने की आवश्यकता है। आखिर इस फिल्म में ऐसा क्या है जिससे इसके प्रति ऐसी जनलहर पैदा हो गई है? जो कुछ है हमारे सामने है। कश्मीर फाइल्स ने कम समय में कमाई के सारे रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। भाजपा की प्रदेश सरकारें इसे टैक्स फ्री कर रही है, पर समर्थन देने के भावनात्मक आवेगों की तस्वीरों को देखें तो यह मानने में कोई आपत्ति नहीं होगी कि बगैर टैक्स फ्री भी लोग इसी भावना के साथ फिल्म देखने जाते रहते। जहां टैक्स फ्री नहीं है वहां का माहौल भी ऐसा ही है। वस्तुत: टैक्स फ्री बाद में हुआ, फिल्म देखने का जन अभियान पहले आरंभ हो गया। तो क्यों?

जो इस पर छाती पीट रहे हैं दरअसल उनकी समस्या है कि वे अभी भी कु छ बुद्धिजीवियों, पत्रकारों, नेताओं और एक्टिविस्टों के एक द्वारा बनाए गए पुराने वैचारिक मायाजाल के तहत ही सोचते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा संसदीय दल की बैठक में इसकी चर्चा कर दी, इसलिए स्वाभाविक ही पूरी पार्टी और संगठन परिवार में इसका विशेष संदेश गया है। संभव है इस फिल्म का राजनीतिक लाभ भी भाजपा को आगामी चुनाव में प्राप्त हो। राजनीतिक दल होते हुए वह इस माहौल को और ज्यादा सुदृढ़ करने और इसका लाभ उठाने की रणनीति बनाकर काम कर रही होगी इसे भी स्वीकार कर लिया जा सकता है। क्या इस पूरी तस्वीर का यही विश्लेषण पर्याप्त है? आप देख सकते हैं, जिनका आरएसएस भाजपा से कोई लेना-देना नहीं वे भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपील कर रहे हैं, कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में चाहे जितना भी टिकट है खरीदो और फिल्म को बार-बार देखो। यह विचार एक-दो दिन में भाजपा ने पैदा नहीं किया होगा।

संघ, इससे जुड़े अन्य संगठन तथा दूसरे हिंदू संगठनों ने लंबे समय से जो माहौल बनाया है उसका असर है। किंतु इनके विचारों में भी सच्चाई नहीं होती और लोगों की भावनाओं को नहीं छूती तो माहौल ऐसा नहीं बनता। सच्चाई यह है कि भारत का मानस आमूल बदलाव की ओर अग्रसर है। भाजपा को राजनीतिक स्तर पर इसका लाभ मिल जाता है, क्योंकि वह इसको अभिव्यक्त करती है, समय-समय पर समर्थन करती है। वह समर्थन पर्याप्त नहीं हो यह हो सकता है किंतु दूसरा कोई राजनीतिक दल इस तरह की अभिव्यक्ति और समर्थन देने वाला सामने नहीं है। ज्यादातर दल भाजपा के दबाव में हिंदुत्व पर थोड़ा बहुत आगे आते हैं, लेकिन उनमें अभी भी सकु चाहट है। सेकुलरवाद की विकृत व्याख्या ने उनके मानस पर ऐसा जंग लगाया है कि उसको झाड़ कर वे खुलकर बाहर आने को तैयार नहीं है। इस फिल्म के विरुद्ध उन सबकी प्रतिक्रियाएं ऐसी ही है। आखिर फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, कांग्रेस, कम्युनिस्ट या दूसरी पार्टियां आदि यह क्यों नहीं समझ रही है कि उनकी निंदा-आलोचना के बावजूद लोगों का समूह बनाकर सिनेमा हॉल में जाने की संख्या घट नहीं रही।

फिल्म के विषयवस्तु पर बहुत कुछ कहने की आवश्यकता नहीं। सच यही है कि पिछले तीन दशकों से ज्यादा समय से हिंदुत्व, भारतीय संस्कृति तथा राष्ट्र के रूप में भारत की महान गौरव परंपरा आदि को लेकर संघ परिवार और दूसरे संगठनों ने जो जन अभियान चलाया उससे वह भाव जागृत होकर अपने आप विस्तृत होता गया है। मुख्यधारा की मीडिया में अनेक पत्रकार मुखर होकर उन विषयों पर सवाल पूछ रहे हैं या उन्हें उठा रहे हैं जिन पर चुप रहा जाता था। सोशल मीडिया पर ऐसे माहौल को फासिस्टवाद और न जाने क्या-क्या नाम दिया जाता है। वस्तुत: यह सब बदलते हुए और बदले भारत का स्वर है। यह सही है कि इसमें सकारात्मकता के साथ नकारात्मकता भी है, अस्थिरता है, थोड़ी चंचलता है। संक्रांति काल में ऐसा होता है। लोगों में संस्कृति-धर्म-पूर्वजों- इतिहास-राष्ट्र-समाज को लेकर सच के आईने में गौरवबोध पैदा हो रहा है। इस समय कश्मीर फाइल्स से एक छोटा अध्याय आया है, जिसने उम्मीद जगाई है कि आगे अफगानिस्तान पाकिस्तान, बांग्लादेश से लेकर संपूर्ण भारत में बर्बर हमले और भारतीय सभ्यता-संस्कृति को कुचलने का जो अपराध हुआ, हमारे धर्मस्थलों, को जिस तरह रौंदा गया वह वो सब सामने आए।

साथ ही उनके विरु द्ध लगातार हुए संघर्ष, समय-समय पर प्राप्त विजय और इस श्रेणी के लोगों ने जिस तरह अपने त्याग बलिदान तथा व्यवहारों से मानक स्थापित किया धर्म संस्कृति राष्ट्र समाज की रक्षा की हो सब पूरे सच के साथ सामने आए। तभी तो द कश्मीर फाइल्स के बाद नालंदा फाइल्स, तक्षशिला फाइल्स, विक्रमशिला फाइल्स, गंधार फाइल्स, अयोध्या फाइल्स, मेवाड़ फाइल्स, गोरी फाइल्स, गजनवी फाइल्स, बख्तियार खिलजी फाइल्स, शिवाजी फाइल्स, महाराणा प्रताप फाइल्स, मथुरा फाइल्स ,काशी फाइल्स, सोमनाथ फाइल्स न जाने ऐसे कितने फाइलों की मांग कर रहे हैं। विरोधी इस बदलाव को समझें अन्यथा वे छाती पीटते रहेंगे और बदलाव की आंधी उनकी आवाज को नक्कारखाने में तूती बनाती रहेगी।

हड़ताल से निकली ध्वनि सुनने का समय

अरुण कुमार

निजीकरण के खिलाफ और श्रम सुधारों को लेकर श्रमिक संगठनों की देशव्यापी हड़ताल का असर दिखा है। हाल के वर्षों में हम वक्त-वक्त पर ऐसी हड़तालें या बंद देखते रहे हैं। जाहिर है, श्रमिक संगठन ऐसा करके अपने हित के मुद्दे उठाते हैं, जो श्रम कानूनों, महंगाई, वेतन आदि से जुड़े होते हैं। इन मसलों के अनवरत बने रहने की एक बड़ी वजह हमारी नीतियों का डिमांड साइड इकोनॉमिक्स के बजाय सख्लाई साइड इकोनॉमिक्स पर आधारित होना है। सख्लाई साइड इकोनॉमिक्स का मतलब है, कारोबारी हित में नीतियों का बनना, ताकि उत्पादों की आपूर्ति बढ़े। माना जाता है कि इससे कारोबारी ज्यादा निवेश के लिए उत्सुक होते हैं, जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है और अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है। मगर देखा यह गया है कि जब मांग कम हो, तब यह नीति काम नहीं करती। साल 2019 में ही जब केंद्र सरकार ने सख्लाई साइड इकोनॉमिक्स के तहत कॉरपोरेट टैक्स कम किया, तब बाजार में मांग कम होने के कारण निवेश में इजाफा नहीं हुआ। निजी क्षेत्र ने इस सरकारी छूट का लाभ अपनी बैलेंस शीट को ठीक करने में किया। नतीजतन, हमारी आर्थिक विकास दर गिरती चली गई।

सख्लाई साइड की नीतियां कारोबार-समर्थक और श्रमिक वर्ग के खिलाफ होती हैं। मजदूर आज इसलिए आंदोलनरत हैं, क्योंकि आर्थिक सुधारों के बाद से पूंजीपतियों के हित में नीतियां बनने लगी हैं। रही-सही कसर कोरोना महामारी ने पूरी कर दी है। इसमें विशेषकर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की स्थिति काफी खराब हो गई है। 1,500 कंपनियों का अध्ययन करके रिजर्व बैंक ने जो आंकड़ा जारी किया है, वह बताता है कि कोरोना महामारी के दौरान कॉरपोरेट सेक्टर का लाभ तो 24 फीसदी तक बढ़ा है, जबकि बेरोजगारी और महंगाई ने मजदूर वर्गों की कमर तोड़कर रख दी है। इसकी मार संगठित क्षेत्र पर भी पड़ी है। खासकर, निविदा पर काम कर रहे मजदूरों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। इस दौरान सूचना-प्रौद्योगिकी और तकनीक के क्षेत्रों ने तो बेशक अच्छा काम किया है, लेकिन पर्यटन, कपड़ा एवं चमड़ा उद्योग जैसे क्षेत्र कोरोना से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

अर्थव्यवस्था का एक सिद्धांत बताता है कि जितनी मजदूरी बढ़ेगी, कंपनियों का मुनाफा उतना कम होगा, और कंपनियां जितना फायदा कमाएंगी, मजदूरों का वेतन उतना कम होगा। पूंजीवाद में कंपनियों का रवैया अधिकाधिक लाभ कमाना होता है। चूंकि वेतन-वृद्धि न होने या सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा न मिलने की सूरत में मजदूर कई उपाय करते हैं, मगर कोई राहत न देख अंतत: वे हड़ताल-बंद पर उतर जाते हैं। हालांकि, मजदूरों का एक बड़ा तबका असंगठित है (कृषि कर्म में ही 45 फीसदी आबादी लगी है) और यह तबका आंदोलन नहीं कर पाता, इसलिए हालिया श्रमिक आंदोलन बहुत असरंदाज होते नहीं दिखे।

यहां एक समस्या और है। लेबर एरिस्टोक्रेसी (मजदूर अभिजातवर्ग) श्रमिक आंदोलन का एक बड़ा रोड़ा है। दरअसल, अधिकारी वर्ग के कामगार श्रमिकों के साथ संघर्ष करने से हिचकिचाते हैं। इसका फायदा कारोबारी उठाते हैं। उनकी मंशा भी यही होती है कि मजदूर संगठनों में मतभेद बना रहे। यही वजह है कि हम एक ही कारखाने में कई-कई मजदूर संघों को सक्रिय देखते हैं। चूंकि, अभी कामगार वर्ग में काफी उथल-पुथल है, इसलिए सत्तारूढ़ दल के संगठनों को छोड़कर कमोबेश देश के सभी संगठन एकजुट होकर आंदोलनों में जुटे हैं।

सन 1991 के बाद जब से अपने यहां नई आर्थिक नीतियां आई हैं, तभी से यह सोच बन गई कि नए कायदे-कानून श्रमिकों के विरुद्ध और कारोबारियों के हित में होंगे। इसीलिए, करीब चार साल तक, यानी 1995 तक हर वर्ष कम से कम दो बार भारत बंद जैसे आंदोलन जरूर हुआ करते। मगर उनका ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा और हालात दिन-ब-दिन कामगारों के खिलाफ होते गए। देखा जाए, तो अब हड़ताल या बंद जैसे आंदोलन श्रमिकों की निराशा की महज अभिव्यक्ति हैं। नए-नए अध्ययन इसी बात की तस्दीक करते हैं। जैसे, बजट के समय इसी फरवरी में आए प्राइस (पीआरआईसीई) सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि 2015-16 की तुलना में 2020-21 में सबसे गरीब 20 फीसदी आबादी की आमदनी 50 फीसदी तक गिर गई, जबकि इसी दौरान देश के सबसे धनाढ्य 20 फीसदी आबादी की आमदनी में 30 फीसदी का इजाफा हुआ। साफ है, अमीरों और गरीबों के बीच की असमानता 1990-91 के बाद बहुत तेजी से बढ़ी है, जिससे कामगार तबके के लिए मुश्किलें बढ़ी हैं।

इसमें सरकारों की भी बड़ी भूमिका रही है। सन 1950 से 1990 के बीच श्रमिकों को जो अधिकार हासिल थे, वे बाद के वर्षों में धीरे-धीरे उनसे छीन लिए गए। आर्थिक नीतियां कारोबारियों के हित में बनाई जानी लगीं। इसने श्रमिकों की दुविधा बढ़ा दी है। विशेषकर संगठित क्षेत्र के कामगारों को यह डर सता रहा है कि यदि उनसे रोजगार छिन गया, तो वे भी असंगठित क्षेत्र का हिस्सा बन जाएंगे, जिसकी हालत बेहद खराब है।

कहने की जरूरत नहीं कि सरकारों को श्रमिकों के हित में सोचना चाहिए। अगर अपने देश में इतना बड़ा असंगठित क्षेत्र (इसे मैं रिजर्व आर्मी ऑफ लेबर कहता हूं) न होता, तो श्रमिक कहीं ज्यादा मोल-भाव करने की हैसियत में होते। मगर ऐसा है नहीं। फिर, अत्याधुनिक तकनीक ने विशेषकर बैंकिंग जैसे क्षेत्र में श्रमिकों की जगह ले ली है। इसलिए, मजदूरों को निस्संदेह समर्थन दिया जाना चाहिए। आज के समय में रोजगार पैदा करना, महंगाई नियंत्रित करना, कामगारों को सामाजिक-आर्थिक सहयोग देना, पारदर्शिता बनाए रखना और मजदूर-हितैषी नीतियों को आगे बढ़ाना निहायत जरूरी है। हेनरी फोर्ड ने कभी कहा था कि जब तक मेरा वर्कर मेरी कार नहीं खरीद पाएगा, तब तक कार का मास प्रॉडक्शन करके भला क्या होगा? उनका इशारा बाजार में मांग बढ़ाने की तरफ था। आज की सरकारों को इससे सबक लेना चाहिए। कामगारों को लिविंग वेज मिलना ही चाहिए।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने पूरी की ब्रह्मास्त्र की शूटिंग

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के रिलेशनशिप की खबरें तभी से काफी सुर्खियों में है जबसे दोनों ने फिल्म ब्रह्मास्त्र की शूटिंग शुरू की। इस फिल्म के जरिए दोनों पहली बार साथ में बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। शूटिंग करते-करते ही दोनों एक-दूसरे के करीब आए और अब दोनों अपना रिलेशनशिप एंजॉय कर रहे हैं। इतना ही नहीं इसी बीच दोनों की शादी की खबरें भी खूब चर्चा में हैं। अब आलिया और रणबीर ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है और शूटिंग के बाद दोनों ने अयान मुखर्जी के साथ काशी के विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए और वहां फिल्म को लेकर दुआ मांगी। आलिया ने इस दौरान की फोटोज और वीडियोज शेयर किए हैं। पहले वीडियो में आलिया और रणबीर बाकी लोगों के साथ एक नाव पर हैं। इस दौरान आलिया ने येलो कलर का लहंगा और रणबीर ने रेड शर्ट और डेनिम जीन्स पहनी है। इसके अलावा आलिया ने रणबीर और फिल्म के डायरेक्टर अयान मुखर्जी के साथ विश्वनाथ मंदिर से फोटो शेयर की है। तीनों के चेहरे पर फिल्म की शूटिंग खत्म होने की खुशी साफ नजर आ रही है।

आरआरआर में मिले कम रोल से नाराज हुई आलिया भट्ट?
एसएस राजामौली को कर दिया अनफॉलो

मोस्ट अवेटिड फिल्म 'आरआरआर' का लंबे समय से दर्शक इंतजार कर रहे थे। अब फिल्म बड़े पर्दे पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म की रिलीज के बाद भी दर्शक ज्यादा खुश नहीं हैं क्योंकि उन्हें फिल्म को सिनेमाघरों में देखने का मौका नहीं मिल रहा है। फिल्म को काफी कम स्क्रीन पर रिलीज किया हैं। वीकेंड पर टीकट न मिलने की शिकायत कई लोगों ने सोशल मीडिया पर फिल्म की टीम को टैग करके की। अब ताजा जानकारी के अनुसार फिल्म 'आरआरआर'' से जुड़ी लोगों की कुछ और नाराजगी सामने आ रही हैं। खबरें है कि आलिया भट्ट फिल्म के निर्देशक एसएस राजामौली ने नाराज हैं।

आलिया और राजामौली के बीच चल रही है अनबन?

बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट ने एसएस राजामौली की हालिया फिल्म 'आरआरआर' के साथ दक्षिण में अपनी शुरुआत की। ऐसा कहा जा रहा है कि आलिया को 'आरआरआर' के फाइनल कट में स्क्रीन पर दिए गए छोटे स्पेस से खुश नहीं हैं। यह बताया गया है कि आलिया भट्ट 'आरआरआर' में अपनी संक्षिप्त भूमिका से नाखुश दिख रही हैं। जाहिर तौर पर अब आलिया ने अपने इंस्टाग्राम फीड से 'आरआरआर' से संबंधित कुछ पोस्ट हटा दिए हैं। यह भी अफवाह है कि आलिया भट्ट ने एसएस राजामौली को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया, लेकिन इसका कोई प्रामाणिक प्रमाण नहीं है।

अभिषेक बच्चन को आया फोटोग्राफर्स पर गुस्सा

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन का एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गया है जिसमें वह काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। अभिषेक बच्चन का ये वीडियो एयरपोर्ट पर रिकॉर्ड किया गया है जिसमें उन्हें काफी सख्त लहजे में फोटोग्राफर्स से हटने के लिए कहते हुए देखा जा सकता है। अभिषेक यूं तो काफी लाइट मूड में रहते हैं और हंसी-मजाक करना पसंद करते हैं लेकिन ऐसा लगता है कि इस वक्त उनका मूड कुछ खास अच्छा नहीं था। वीडियो पर कमेंट सेक्शन में लोग अभिषेक को उनके एटिट्यट के लिए ट्रोल कर रहे हैं। हुआ यूं कि अभिषेक बच्चन जैसे ही एयरपोर्ट के एंट्री पॉइंट पर पहुंचे तो उनसे पहले फोटोग्राफर उस लेन में घुस गए और आगे से उनकी तस्वीरें लेने की कोशिश करने लगे। ये देखकर अभिषेक बच्चन वहीं पर खड़े हो गए और काफी सख्त लहजे में फोटोग्राफर्स से हटने के लिए कहा। अभिषेक बच्चन ने इशारा करके पापाराजी से लेन से हटने के लिए कहा। इसी बीच अभिषेक बच्चन के बॉडीगार्ड भी वहां पहुंच गए और उन्होंने फोटोग्राफर्स को वहां से हटाया। पापाराजी बार-बार जूनियर बी से रुकने और कुछ तस्वीरें देने को कहते रहे लेकिन ऐसा लगता है कि अभिषेक बच्चन उन्हें जरा भी एंटरटेन करने के मूड में नहीं थे। अभिषेक बच्चन का मूड किस बात पर खराब था ये तो नहीं पता लेकिन कमेंट सेक्शन में लोग उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं।

लाल ड्रेस में मलाइका अरोड़ा ने ढाया कहर

बात जब फिटनेस की आती है तो बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा बिलकुल सटीक इंस्पिरेशन हैं। मलाइका अरोड़ा की फिटनेस देखकर शायद ही कोई कह सकता है कि उनकी उम्र 48 साल है और वह एक 19 साल के लड़के की मां हैं। मलाइका अरोड़ा इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं और आए दिन फैंस के लिए अपनी तस्वीरें या वीडियो शेयर करती रहती हैं। इसी क्रम में उन्होंने अपनी कुछ ताजा तस्वीरें शेयर की हैं जिन्हें देखकर फैंस क्रेजी हुए जा रहे हैं। रेड ड्रेस में मलाइका कमाल लग रही हैं। मलाइका अरोड़ा रेड कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं। तस्वीरों को फैन पेजों पर जमकर शेयर किया जा रहा है और कमेंट बॉक्स में फैंस मलाइका से अर्जुन कपूर को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। मलाइका अरोड़ा की फिटनेस का राज है योग और उनकी परफेक्ट डायट। सोमवार को उन्होंने योग करते हुए अपने कुछ वीडियो शेयर किए और कैप्शन में लिखा, 'मलाइका अरोड़ा के सुझाए एक सुपर इफैक्टिव योग आसनों के साथ चलिए गर्मियों के मौसम में कदम रखते हैं।'

प्लेन में राखी सावंत ने कर दी ऐसी डिमांड, सुनकर पैसेंजर्स की हालत हुई खराब

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन कभी अपने अतरंगी ऑउटफिट तो कभी अपने विवादित बयानों से सुर्खियों में बनी रहती हैं। वो सोशल मीडिया पर ट्रेंड होने के लिए फनी और अजीबोगरीब वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में राखी का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वे प्लेन में बैठे अपने सहयात्रियों से कुछ ऐसा बोल देती हैं कि सबकी सिट्टी-पिट्टी गुल हो जाती है। यह वीडियो देखकर लोग हैरान हैं और अपनी हँसी नहीं रोक पा रहे हैं।

दरअसल, राखी सावंत अब प्लेन उड़ाना चाहती हैं। इस वीडियो में राखी सावंत एक प्लेन में यात्रा करती नज़र आ रही हैं। वे अपने सहयात्रियों से बोलती हैं कि आज वो प्लेन उड़ाना चाहती हैं। वे अपने सहयात्रियों से कहती हैं, 'आज मैं सोच रही थी कि ये फ्लाइट मैं चलाऊं, मैं पायलट बनूंगीज्दोस्तों क्या बोलते हो? उनकी यह बात सुनकर प्लेन में बैठे अन्य यात्री घबरा जाते हैं और दोनों हाथ उठाकर 'ना-ना' कहने लगते हैं। यह सुनकर राखी भी हँसने लगती हैं। इस बीच एक यात्री ने राखी सावंत से कहा, 'आप चाहें तो प्लेन को धक्का मार सकती हैं।'

यह वीडियो राखी के दोस्त और कोरियोग्राफर राजीव खींची ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो में आगे राजीव, राखी से पूछते हैं कि अगर उन्हें गर्मी लगती है तो उन्हें क्या करना चाहिए। इस पर राखी कहती हैं कि अगर आपको गर्मी लगे तो खिड़की खोल सकते हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राखी नियोन कलर की टी शर्ट पहने और आँखों पर सनग्लासेस लगाए हुए दिख रही हैं। अगर वर्क फंट की बात करें तो राखी को आखिरी बार सलमान खान के रियल्टी शो बिग बॉस 15 में देखा गया था। इस शो में वे अपने पति रितेश सिंह के साथ नज़र आई थीं।

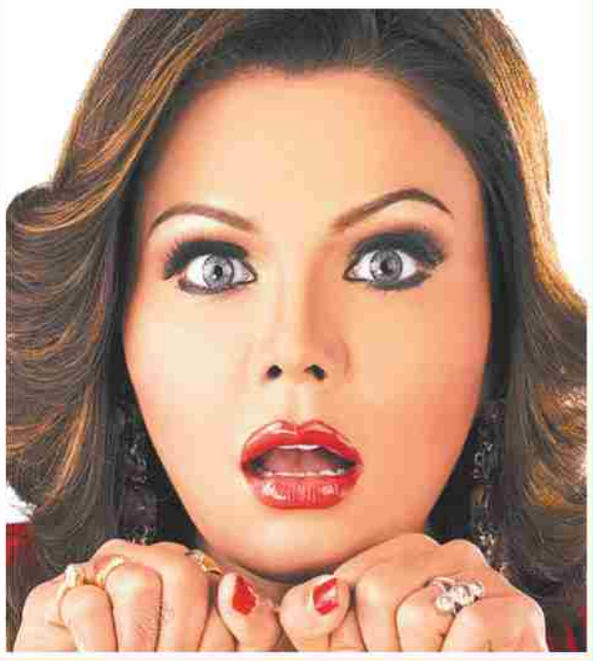

काजल अग्रवाल ने खोला राज!
बताया पति गौतम किचलू नहीं बल्कि 'बेस्टफ्रेंड' प्रेगनेंसी में रख रहा है उनका ख्याल

काजल अग्रवाल बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाने के बाद काजल ने बॉलीवुड फिल्मों से भी लोगों के दिलों में जगह बनाई है। अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम' में अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीत लिया। जैसा कि सभी जानते हैं कि काजल जल्द ही माँ बनने वाली हैं। वे और उनके पति गौतम किचलू अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। इन दिनों काजल अपनी प्रेगनेंसी एन्जॉय कर रही हैं। वे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियोज़ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में काजल ने इंस्टाग्राम पर अपने बेस्ट फ्रेंड के साथ अपनी एक खास फोटो शेयर की है। आपको जानकार हैरानी होगी कि ये उनके पति नहीं बल्कि कोई और ही है।

काजल ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह प्रेग्नेंसी पिलो के साथ रिलैक्स करती दिख रही हैं। इन तस्वीरों के जरिए काजल ने बताया है कि यह पिलो प्रेगनेंसी के दिनों में उनके लिए कितना अहम है। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मेरी प्रेग्नेंसी के दौरान मेरे सबसे प्यारे फ्रेंड का इंट्रोडक्शन। यह प्रेग्नेंसी पिलो गर्दन, कंधे और पीठ दर्द जैसी सामान्य समस्या से निजात देती है। एसिड रिफ्लक्स को कम करती है और अच्छी नींद आती है। मैं आराम से सो सकती हूं, लेट सकती हूं और काम कर सकती हूं और यह पिलो हमेशा मेरे लिए सबसे आरामदायक स्थिति देता है'।

इन तस्वीरों को देखकर साफ पता चलता है कि यह पिलो वाकई काजल के लिए काफी फायदेमंद हैं। इन फोटोज़ में काजल काफी कूल और रिलैक्सड दिख रही हैं। उनके चेहरे पर माँ बनने की खुशी साफ़ जाहिर हो रही है। आपको बता दें कि इस साल की शुरुआत में ही काजल ने यह जानकारी दी कि वे और उनके पति गौतम किचलू जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। इस खबर के बाद से ही उनके फैंस काफी एक्साइटेड हैं।

विवेक अग्निहोत्री ने की वरुण की तारीफ

डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री जो पिछले कुछ दिनों से अपनी फिल्म द कश्मीर फाइल्स को लेकर चर्चा में हैं उन्होंने हाल ही में ये बताया कि वरुण धवन ने उनकी लाइफ के मुश्किल दिनों में हमेशा उनकी मदद की है। इतना ही नहीं, ये सब बताते हुए विवेक काफी इमोशनल भी हो जाते हैं। विवेक ने ये भी कहा कि वह इसलिए वरुण धवन की तारीफ नहीं कर रहे कि वह उनके साथ फिल्म में काम करना चाहते हैं बल्कि इसलिए उनके बारे में बता रहे हैं क्योंकि वह उनके उस वक्त काम आए जब उन्होंने खुद हिम्मत छोड़ ली थी। विवेक ने वरुण को ग्रेट बॉय कहा। दरअसल, सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में विवेक ने कहा, 'मैं वरुण को बहुत प्यार करता हूं और मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा। ये सब मैं कैमरे में नहीं कहूंगा, ये सिर्फ मेरे और उनके बीच रहेगा। वरुण ने उस वक्त मेरी मदद की जब दुनिया में कोई भी मेरी मदद करने नहीं आ रहा था और वो भी बिना किसी शो ऑफ के। वह बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं चाहता हूं कि वह हमेशा खुश और सक्सेसफुल रहें। वह शानदार इंसान हैं और मैं हमेशा उन्हें प्यार करूंगा।' विवेक ने आगे ये भी कहा कि मैं ये सब इसलिए नहीं कह रहा क्योंकि मैं उनके साथ काम करना चाहता हूं। मैं इमोशनल हो रहा हूं ये सब कहते हुए क्योंकि मुझे उम्मीद नहीं थी कि उनके जैसे स्टार मेरी मदद करेंगे।

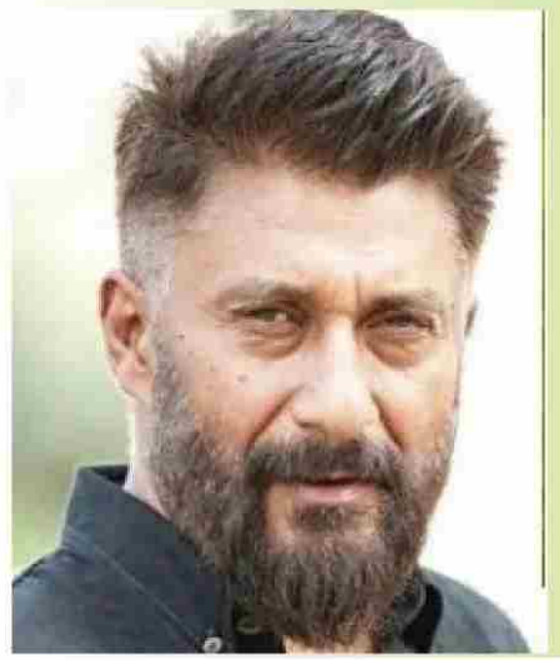

सार समाचार

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला! छह सुरक्षा कर्मियों की मौत, 22 अन्य घायल

पेशावर (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक किले के अंदर स्थित सुरक्षा मुख्यालय पर बुधवार को आतंकवादी हमले में कम से कम छह सुरक्षाकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल हो गए। जिला पुलिस अधिकारी वकार अहमद खान ने बताया कि आतंकवादियों ने दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टैंक जिले में एफसी लाइन पर हमला किया गया। मुठभेड़ में तीन हमलावर भी मारे गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि टैंक जिले की ओर जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर दिया गया है और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में तलाश अभियान चलाया जा रहा है।

नेपाली कांग्रेस ने स्थानीय चुनावों के लिए गठबंधन सहयोगियों से हाथ मिलाया

काठमांडू। प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के साथ प्रमुख सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस ने मंगलवार को अपने गठबंधन सहयोगी पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' की अगुवाई वाले सीपीएन-माओवादी केंद्र और माधव नेपाल की सीपीएन-यूनिफाइड सोशलाइट के साथ 13 मई को होने वाले 700 स्थानीय निकाय चुनावों के लिए गठबंधन करने का फैसला किया है। सानेपा में केंद्रीय पार्टी के मुख्यालय में सीडब्ल्यूसी की बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया। देउबा (74) ने पिछले साल जुलाई में प्रचंड, माधव नेपाल, जनता समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनमोर्चा के समर्थन से प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा, 'आज हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में जरूरत के अनुसार और स्थानीय स्थिति को देखते हुए सत्तारूढ़ साझेदारों के साथ चुनावी गठबंधन करने का फैसला किया गया है।' देउबा ने पहले संकेत दिए थे कि ये चुनाव गठबंधन सहयोगियों के साथ मिलकर लड़े जाएंगे। इस फैसले को लेकर असंतोष है। शेखर कोइराला धड़ा किसी भी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन के खिलाफ अड़ा हुआ है। वहीं, प्रचंड और नेपाल दोनों इसके खिलाफ रहे हैं कि देउबा आगामी स्थानीय स्तर के चुनावों के लिए केपी शर्मा ओली की अगुवाई वाली सीपीएन-यूएमएल के साथ गठबंधन करें। महत ने कहा कि नेपाली कांग्रेस का मजबूत आधार है और वह चुनावों में जीत हासिल करने की राह पर है। नेपाल सरकार ने इस साल फरवरी में ऐलान किया था कि सभी 753 स्थानीय ईकाइयों के लिए स्थानीय स्तर पर चुनाव एक चरण में 13 मई को होंगे।

अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 'टू प्लस टू' वार्ता से पहले इस सप्ताह दिल्ली आएंगे

नयी दिल्ली। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) दलीप सिंह इस सप्ताह भारत दौरे पर आने वाले हैं। उनकी यात्रा ऐसे वक्त होने वाली है, जब रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी नयी दिल्ली के दौरे पर होंगे। यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस के खिलाफ अमेरिका के प्रतिबंधात्मक कदमों में दलीप सिंह की भूमिका को महत्वपूर्ण माना जाता है। सिंह की यात्रा के दौरान अगले महीने वाशिंगटन में होने वाली आगामी 'टू प्लस टू' विदेश और रक्षा मंत्री स्तरीय वार्ता की तैयारियों पर भी बातचीत होने की संभावना है। यह वार्ता 11 अप्रैल के आसपास होने की संभावना है। सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी अधिकारी की प्रस्तावित यात्रा के विवरण पर काम किया जा रहा है और संकेत दिया कि यह उसी समय के आसपास होगा जब लावरोव भारत आने की योजना बना रहे हैं। अमेरिका के उप एनएसए की भारत यात्रा पर अभी तकआधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। लावरोव के चीन की दो दिवसीय यात्रा के बाद बृहस्पतिवार शाम या शुक्रवार सुबह भारत आने की संभावना है।

दुबई एक्सपो में हिन्दुस्तान का जलवा, यूएई के दिल में हमेशा के लिए बस गया है भारत

दुबई । दुबई एक्सपो में भारत की ओर से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर शिरकत कर रहे हैं। दुबई एक्सपो में भारत के कई सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इस मौके पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत अपने आप को दुनिया में सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित करना चाहता है, भारतीय युवा उद्यमियों में स्टार्टअप की एक प्यास-सी जग चुकी है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने दुबई एक्सपो में लगे भारत पवेलियन की कामयाबी पर भारत और दुबई की दोस्ती की तारीफ की। उन्होंने कहा, हमारी दोस्ती दुनिया के कई देशों में ईर्ष्या का मुद्दा बन गई है। इसतरह के देशों को हमारी दिनों दिन मजबूत होती दोस्ती नहीं सुहाती, जबकि सच्चाई ये है कि यूएई ने अपने दिल में भारत को हमेशा के लिए बसा लिया है। साथ केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुबई को धन्यवाद कहूंगा कि भारत को सम्मान दिवस समारोह शामिल होने का विशेषाधिकार दिया गया। यूएई के सहिष्णुता और सह-अस्तित्व मंत्री और एक्सपो 2020 दुबई के आयुक्त जनरल ने भारत के केंद्रीय मंत्रियों का स्वागत किया। एक्सपो-2020 दुबई में करीब 700 स्टार्टअप ने अपने अनूठे नवाचार को प्रदर्शित किया है। पीयूष गोयल ने स्टार्टअप से अपनी कहानी को दूरदराज के इलाकों, गांवों, छोटे शहरों, पूर्वोत्तर भारत और अन्य क्षेत्रों में भी ले जाने का आग्रह किया। वहीं शेख नाहयान ने भारत की तारीफ कर कहा कि यहां उन्नत तकनीक, नवीनता, अंतरिक्ष खोज, स्मार्ट शहर सब आकर्षित करते हैं। शेख ने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व उन्हें खास बनाता है। उन्होंने कहा कि यूएई का भारत के साथ काफी पुराना और गहरा रिश्ता हैं। हम भारत के साथ मिलकर अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने और साधनों को बनाने के लिए उत्सुक हैं। गोयल ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मुक्त व्यापार समझौते ने बड़े अवसर खोले हैं और दोनों देशों के उद्योगों को द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 250 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते पर भारत और यूएई ने फरवरी में हस्ताक्षर किए थे और इसके एक मई से लागू होने की उम्मीद है। गोयल ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पास निवेश के लिए काफी अधिशेष है जबकि भारत एक बड़ा बाजार और आकर्षक गंतव्य है। वहीं दुबई में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह एक्सपो में एक साथ नजर आए। जहां वे डांस करते नजर आए। सोशल मीडिया उनके डांस का विडियो खूब शेयर किया गया। वहीं बॉलीवुड की सिंगर कविता कृष्णमूर्ति ने भी अपनी प्रस्तुति दी।

भारत के साथ समुद्री सुरक्षा समझौतों से श्रीलंका को कोई खतरा नहीं

कोलंबो। श्रीलकाई सरकार ने कहा है कि भारत के साथ हाल में जिन समुद्री सुरक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, उन समझौतों से द्वीपीय देश की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। देश के कुछ मीडिया संस्थानों द्वारा गलत व्याख्या की जा रही है। इस सप्ताह यहां भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के दौरे के दौरान ह्यसमुद्री बचाव समन्वय केंद्र' (एमआरसीसी) की स्थापना को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, एमआरसीसी की स्थापना, क्षेत्र में संचालित हो रहे पोतों के संकट में पड़ने पर उनकी तलाश और बचाव के लिए बेहद अहम है। इससे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रस्तावों के अनुपालन के साथ पोतों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। बयान में कहा गया कि श्रीलंका के तलाशी एवं बचाव (एसएआर) क्षेत्र में वाणिज्यिक पोतों के समुद्री एसएआर परिचालन के लिए श्रीलंकाई नौसेना उत्तरदायी है। बयान में भारत की ओर से मुफ्त में ह्यफ्लोटिंग डॉक' सुविधा प्राप्त होने का भी उल्लेख किया गया। बयान के अनुसार भारत ने श्रीलंका को बिना किसी शुल्क के एक डोर्नियर निगरानी विमान उपलब्ध कराने को भी कहा है। बयान में कहा गया कि भारत सरकार के साथ सुरक्षा समझौतों से श्रीलंका की राष्ट्रीय सुरक्षा को न कोई खतरा है और न ही कोई रुकावट पैदा होगी जैसा कि कई प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में दुष्प्रचार किया जा रहा है।

यूक्रेन के मेरीपोल से अपनी बेटी के साथ बचकर आई एक महिला रोती हुई।

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के पास सैन्य अभियान कम करने का संकल्प जताया

कीव। यूक्रेन के साथ हालिया दौर की वार्ता में युद्ध को खत्म करने के संभावित समझौते की रूपरेखा सामने आने के बाद रूस ने मंगलवार को घोषणा की कि वह देश राजधानी कीव और उसके एक उत्तरी शहर के पास सैन्य अभियानों में उल्लेखनीय रूप से कमी लाएगा। तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में आयोजित सम्मेलन में यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल ने एक रूपरेखा तैयार की जिसके तहत देश खुद को तटस्थ घोषित करेगा और इसकी सुरक्षा की गारंटी अन्य देशों द्वारा दी जाएगी। मास्को की प्रतिक्रिया सकारात्मक थी और वार्ता बुधवार को आगे बढ़ने की उम्मीद है। पांच सप्ताह से जारी खूनी युद्ध में हजारों लोग मारे गए हैं और लगभग 40 लाख यूक्रेनी लोगों को देश से पलायन करना पड़ा। यूक्रेन की सेना ने कहा कि उसने कीव और चेर्निहीव के आसपास रूसी सैनिकों को वापस जाते देखा है, हालांकि अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने कहा कि वह रूस के दावे की पुष्टि नहीं कर सकता।

पाकिस्तान में विपक्ष की एकजुटता, बिलावल भुट्टो बोले- इमरान खान को देना होगा इस्तीफा, शहबाज बनेंगे पीएम

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान की राजनीतिक हलचल इस वक्त देश है। इमरान खान की सरकार अल्पमत में दिखाई दे रही है। इन सबके बीच पाकिस्तान में विपक्षी एकता भी देखने को मिल रही है। आज विपक्ष की ओर से एक संवाददाता सम्मेलन किया गया और इमरान खान से इस्तीफे की मांग की गई। इस संवाददाता सम्मेलन में बिलावल भुट्टो और शहबाज शरीफ एक साथ दिखाई दिए। शहबाज शरीफ ने दावा किया कि वह लोगों की हक की लड़ाई लड़ रहे हैं और इमरान खान को इस्तीफा देना ही होगा। वहीं बिलावल भुट्टो ने कहा कि इमरान खान अपना बहुमत खो चुके हैं और शहबाज शरीफ जल्द ही देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने पाकिस्तान नेशनल असेंबली में MQM के खालिद मकबूल सिद्दीकी और एलओपी शहबाज शरीफ के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 2018 में चुनाव के नाम पर चयन पूरे पाकिस्तान के खिलाफ एक साजिश थी। उन्होंने कहा कि शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री को इस्तीफा देने की सही चुनौती दी है। हम समझते हैं कि प्रधानमंत्री ने अभी तक ऐसी कोई जिम्मेदारी नहीं दिखाई है। लेकिन उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा है, वह अब प्रधानमंत्री नहीं हैं। भुट्टो ने कहा कि उन्हें (प्रधानमंत्री) इस्तीफा देना होगा, वह ज्यादा देर तक चलते नहीं रह सकते। संसद का सत्र कल है, चलिए कल मतदान करते हैं और मामले को सुलझाते हैं ताकि हम आगे बढ़ सकें।

वहीं विपक्ष के नेता अख्तर मेंगल ने कहा कि इमरान खान हिट विकेट हो चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय साजिश का बहाना भी बहुत पुराना हो चुका है। वह नई दुकान खोलें। वहीं पाकिस्तान के मंत्री फवाद चौधरी ने ट्वीट कर कहा कि इमरान खान ऐसे खिलाड़ी हैं जो आखिरी गेंद तक लड़ते हैं। इस्तीफा नहीं होगा। एक मैच होगा, दोस्त और दुश्मन दोनों इसे देखेंगे। पाकिस्तान में संकट से घिरे प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को संघीय कैबिनेट का विशेष सत्र बुलाया। यह सत्र इस तरह की रिपोर्ट मिलने के बीच बुलाया गया कि सत्ताधारी गठबंधन के सदस्य दल एमक्यूएम-पी के दो मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है।

चेतावनी! एक बार फिर कोरोना के मामले तोड़ सकते है रिकॉर्ड, इन देशों में दिख रहा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)

कोरोना के मामले कई देशों में भले ही कम होते दिख रहे है लेकिन कई देशों में अभी भी इनके मामले चिंता का सबब बन गया है। एशिया से लेकर पश्चिमी देशों तक कोरोना का प्रकोप एक बार फिर से बढ़ता दिख रहा है। वहीं विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि, थोड़ी सी लापरवाही भी बहुत भारी पड़ सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन के कई हिस्सों और यूरोप में ओमिक्रॉन का BA.2 वैरिएंट बहुत अधिक तेजी से फैल रहा है। चीन के शहर शंघाई को कोरोना का नया हॉटस्पॉट बताया जा रहा है। बढ़ते मामलों के कारण चीन के खई बड़े शहरों में लॉकडाउन लगाए गए है। न केवल चीन बल्कि फ्रांस, इटली, जर्मनी और ब्रिटेन में भी मार्च में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। वहीं अमेरिका में भी कोरोना एक बार फिर दस्तक दे सकता है।

चीन के शहर शंघाई में ओमिक्रोन वैरिएंट के करीब 5982 मामले सामने आए हैं। चीन के जीरो कोविड पॉलिसी के तहत शहर के कई हिस्सों पर लॉकडाउन भी लगा दिया गया है। 26 मीलियन आबादी वाला शहर लॉकडाउन में पूरी तरह से बंद है और लोगों को घरों से बाहर निकलने भी नहीं दिया जा रहा है। जानकारी के लिए बता दें कि, ओमिक्रोन के BA.2 वैरिएंट का सबसे पहले ब्रिटिश स्वास्थ्य अधिकारियों ने पता लगाया था। ओमिक्रोन के तीन स्ट्रेन है BA.1, BA.2 और BA.3. और इसमें से BA.2 को स्टील्थ वैरिएंट भी कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, BA.2 की कोरोना के नए मामलों में 86% हिस्सेदारी है।

भारत दौरे पर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, तेल और द्विपक्षीय कारोबार को लेकर होगी चर्चा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव 31 मार्च से दो दिवसीयआधिकारिक यात्रा पर भारत आ रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन के खिलाफ 24 फरवरी को रूस द्वारा शुरू किये गए सैन्य अभियान के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। लावरोव के चीन की दो दिवसीय यात्रा समाप्त करने के बाद भारत की यात्रा पर आने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने एक लाइन के बयान में कहा, 'रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव 31 मार्च से एक अप्रैल तक भारत के आधिकारिक दौरे पर आएंगे।' समझा जाता है कि लावरोव की यात्रा के दौरान भारत द्वारा रूस से तेल और द्विपक्षीय कारोबार के लिए भुगतान प्रणाली पर चर्चा पर होगी। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान भारत द्वारा रूस से एस-400 मिसाइल प्रणाली के उपकरणों और सैन्य हथियारों की समय पर आपूर्ति पर भी जोर दिया जा सकता है।

लावरोव की यात्रा ऐसे समय में होने जा रही है जब अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह और ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रस भी भारत आने वाली हैं। ट्रस 30-31 मार्च को भारत का दौरा करेंगी। वहीं, जर्मनी के विदेश एवं सुरक्षा नीति सलाहकार जेन्स प्लॉटनर भारत के दौरे पर आए हुए हैं। पिछले सप्ताह चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भी भारत का दौरा किया था। इसके साथ इसी सप्ताह हिन्द प्रशांत के लिये यूरोपीय संघ के विशेष दूत गैब्रियल विसेंटिन नयी दिल्ली आए। कई अन्य प्रमुख शक्तियों के विपरीत, भारत ने अभी तक यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस की आलोचना नहीं की है और उसने रूसी आक्रमण की निंदा करने वाले प्रस्तावों पर संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर मतदान में हिस्सा लेने से परहेज किया है। वहीं, पिछले बृहस्पतिवार को यूक्रेन में मानवीय संकट को लेकर रूस द्वारा पेश प्रस्ताव पर मतदान के दौरान भी भारत अनुपस्थित रहा। यह इस संघर्ष को लेकर भारत के निष्पक्ष रूख को प्रदर्शित करता है।

हम मुश्किल स्थिति में हैं : थरूर ने यूक्रेन-रूस संकट पर भारत के रुख पर कहा

नयी दिल्ली (एजेंसी)

लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने कहा कि यूक्रेन-रूस संघर्ष पर भारत अपने कूटनीतिक रुख पर बातचीत करने में बहुत 'जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर' से गुजरा है तथा अन्य देशों के साथ उसके कई हितों के कारण वह 'एक तरह से मुश्किल स्थिति में है, जिसमें छोटी-सी गलती के भी बहुत बुरे परिणाम हो सकते हैं।' वह 'यूक्रेन अनकही (झलकियां)' पर तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद यहां बातचीत के दौरान एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, 'भारत, यूक्रेन-रूस संकट पर अपने रुख पर बातचीत में बहुत जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरा है। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत अपने पहले ही बयान में ऐसा कुछ भी कहने के लिए तैयार नहीं दिखा था जिससे रूस को परेशानी होती' थरूर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की इस सप्ताह भारत की संभावित यात्रा पर कहा, 'उनके पास बचाव के लिए कठिन वजह होगी और मुझे भरोसा है कि नयी दिल्ली में वह जो बातचीत करने जा रहे हैं, वह काफी दिलचस्प होगी।' संघर्ष पर भारत के रुख के बारे में कांग्रेस सांसद ने कहा, ह्यह्यसंयुक्त राष्ट्र में (यूक्रेन संकट पर) मतदान से अनुपस्थित रहते हुए अपने बयानों में हम अपने सिद्धांतों को दोहराने में अधिक मुखर रहे हैं और हमारी कूटनीति ने उन विविध हितों को ध्यान में रखा है, जिनकी हमें देखभाल करनी है।' उन्होंने कहा, 'हम क्वाड के सदस्य हैं और हम नहीं चाहते कि अमेरिका हिंद-प्रशांत से अपनी नजर हटाए और पूरी तरह यूरोप पर ध्यान केंद्रित करे।' थरूर ने कहा, ' यूक्रेन से हमें पहले कुछ सप्ताहों में 23,000 भारतीय नागरिकों को निकालना पड़ा, जिनमें ज्यादातर छात्र थे। इसलिए, इन सभी हितों के कारण हम मुश्किल स्थिति में हैं, जिसमें छोटी-सी गलती के भी बुरे परिणाम हो सकते हैं।

मध्य इजराइल में बंदूकधारी ने की गोलीबारी, चार लोगों की मौत

यरुशलम। मध्य इजराइल के शहर ब्नेई ब्राक में मोटरसाइकिल पर सवार एक बंदूकधारी ने भीड़ भाड़ वाली जगह पर गोलीबारी की, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। हमलावर को भी सुरक्षा बलों ने मार गिराया। गोलीबारी की यह घटना क्यों हुई इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है। मीडिया में आई खबरों में कहा गया है हमलावर वेस्ट बैंक का रहने वाला फलस्तीनी था। एक सप्ताह के भीतर हुए तीसरे हमले के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा कि देश ह्यअरब आतंकवाद की लहरह्ल का सामना कर रहा है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि प्रारंभिक जांच में पाया गया कि बंदूकधारी एक असॉल्ट राइफल लिए हुए और उसने राहगीरों पर गोलीबारी की। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को मार गिराया।

भारत, चीन एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं होने की आम राय को मानने पर सहमत: वांग

बीजिंग (एजेंसी)

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि अपनी हाल की भारत यात्रा के दौरान, उन्होंने 'उत्सुकतापूर्वक महसूस' किया कि दोनों पक्ष नेताओं की इस आम राय को मानने के लिए सहमत हुए थे कि दोनों देश एक-दूसरे के वास्ते खतरा नहीं हैं और अपने मतभेदों को दूर कर सकते हैं। वांग ने 25 मार्च को नई दिल्ली की अपनी अघोषित यात्रा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत की थी। चीनी आधिकारिक मीडिया के लिए नई दिल्ली में हुई अपनी बातचीत के बारे में बताते हुए वांग ने कहा, 'उन्होंने सबसे अधिक उत्सुकता से महसूस किया है कि दोनों पक्ष दोनों देशों की महत्वपूर्ण इस आम राय को मानने के लिए सहमत हैं, कि वे एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं हैं। दोनों देशों के लिए चिंता की व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करना, मतभेदों को दूर करना और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना आवश्यक है।' सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार वांग ने कहा कि भारत-चीन प्रतिद्वंद्वियों के बजाय भागीदार हैं, और उन्हें एक-दूसरे को सफल होने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने बीजिंग के इस रुख को फिर से दोहराया कि 'परिपक्व और तर्कसंगत पड़ोसियों के रूप में, चीन और भारत को द्विपक्षीय संबंधों में सीमा मुद्दे को न्यायोचित स्थान पर रखना चाहिए, और इसे द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास को बाधित नहीं करने देना चाहिए।' विदेश मंत्री जयशंकर ने वार्ता के दौरान पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले बिंदुओं पर सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया को जल्दी से पूरा करने पर जोर दिया और अपने चीनी समकक्ष से कहा कि यदि सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति 'असामान्य' है, तो द्विपक्षीय संबंध सामान्य नहीं हो सकते। वांग के साथ लगभग तीन घंटे तक चली बातचीत के बाद जयशंकर ने कहा था कि सामान्य संबंधों की बहाली के लिये सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं अमन बहाल होना जरूरी है। जयशंकर ने कहा था, 'अगरदोनों पक्ष संबंधों को बेहतर बनाने को प्रतिबद्ध हैं तब इस प्रतिबद्धता की पूरी अभिव्यक्ति पीछे हटने की प्रक्रिया के बारे में जारी बातचीत में परिलक्षित होनी चाहिए।' उन्होंने कहा था कि पूर्वी लद्दाख को लेकर भारत और चीन के बीच वर्तमान स्थिति के संबंध में 'कार्य प्रगति पर है', हालांकि इसकी गति वांछित स्तर की तुलना में धीमी है। वांग ने 21-27 मार्च तक अपने दक्षिण एशिया दौरे के दौरान पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल का भी दौरा किया था। इस्लामाबाद की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान, सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी से मुलाकात की थी।

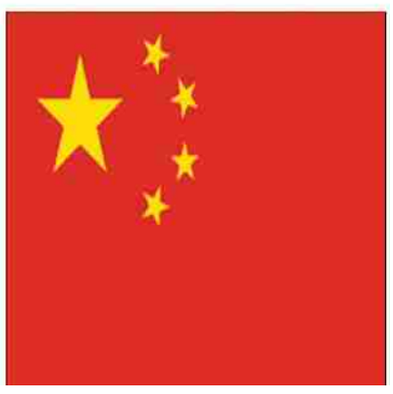

महिला एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में पहुंची ऑस्ट्रेलिया

हीली का शानदार शतक , वेस्टइंडीज हारी

वेलिंगटन (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वेस्टइंडीज को हराकर एकदिवसीय महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली के शानदार शतक 129 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 157 रन से हराया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीन विकेट पर 305 रन बनाये। बारिश की बाधा के कारण इस मैच को 45 ओवरों का कर दिया गया था। इसके बाद विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम 37 ओवर में 148 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान स्टेफनी टेलर ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए जबकि बाकि बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायीं।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम की शुरुआत अच्छी रही। हीली ने 107 गेंदों पर 17 चौकों और एक छक्के की सहायता से 129 रन बनाये जबकि हेन्स ने 100 गेंदों पर 85 रनों की शानदार पारी खेली। बारिश के कारण यह मैच 45 ओवर का कर दिया गया था।

इस मैच में बारिश के कारण मैच करीब सवा घंटे की देरी से शुरू हुआ। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया जो सही साबित नहीं हुआ। ऑस्ट्रेलिया की ओर से हीली और हेंस ने राचेल हेन्स ने अच्छी शुरुआत की और इन दोनो के बीच 216 रन की साझेदारी। कप्तान मेग लैनिंग ने नाबाद 26 और बेथ मूनी ने नाबाद 43 रन बनाये। इन दोनो ने स्कोर 300 रन के ऊपर पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की सलामी बल्लेबाज राशदा विलियम्स खाता खोले बिना ही आउट हो गयी। डींड्रा डोटिन भी 34 रन बनाकर सदरलैंड के हाथों कैच हो गयीं। हेली मैथ्यूज 34 के आउट होने के बाद पारी संभल नहीं पायी। कप्तान टेलर ने एक छोर संभाले रखा लेकिन दूसरी तरफ से विकेट गिरते रहे। टेलर ने अपनी 75 गेंद की पारी में चार चौके लगाए। उसकी दो खिलाड़ी चिनेली हेनरी और अनिशा मोहम्मद चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरी। जेसी जानसन ने 14 रन देकर दो विकेट लिए।

छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अब अपने सातवें खिताब के लिये फाइनल में इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से खेलेगी।

नाओमी ओसाका मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

मियामी (एजेंसी)।

पूर्व विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जापान की नाओमी ओसाका बुधवार को यहां क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जीत के बाद 2022 मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गईं। ओसाका ने क्वार्टरफाइनल मैच में अमेरिका की डेनियल कोलिंस को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया। वह अब 2020 के बाद पहली बार 2022 मियामी ओपन के फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनकिक से भिड़ेंगी।

इस जीत के साथ ओसाका टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी जापानी महिला टेनिस खिलाड़ी बनी हैं। इससे पहले किमिको दाते क्रुम ने 1993 और 1995 में 2022 मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया था। अपने आखिरी 10 क्वार्टरफाइनल मैचों में उनकी यह नौंवी जीत है और उनके पास बेनकिक के खिलाफ सेमीफाइनल में रिकॉर्ड बनाने का मौका है, जो अब तक टूर्नामेंट में अपराजित रही हैं।

आईसीसी रैंकिंग में विराट ओर रोहित फिसले

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और बल्लेबाज विराट कोहली को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। अब ये दोनो एक-एक स्थान फिसलकर आठवें और 10वें स्थान पर पहुंच गए। रोहित बल्लेबाजी सूची में अब भी भारतीय खिलाड़ियों में शीर्ष रैंकिंग पर बने हुए हैं। रोहित के 754 अंक हैं पर वह सातवें से खिसककर आठवें स्थान पर आ गये हैं।

वहीं विराट के 742 रेटिंग अंक हैं और वह 10वें स्थान पर खिसक गए हैं। ऑलराउंडरों की सूची में भारत के रविंद्र जडेजा नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं जबकि स्पिनर आर अश्विन वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को पीछे करते हुए दूसरे स्थान पर काबिज हो गये हैं। अश्विन और भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की सूची में दूसरे और चौथे स्थान पर बने हुए है। इसके अलावा एकदिवसीय रैंकिंग में कोहली दूसरे जबकि रोहित एक स्थान के लाभ के साथ ही चौथे स्थान पर आ गये हैं। गेंदबाजों में शीर्ष 10 में केवल एक बुमराह ही छठे स्थान पर बने हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही एकदिवसीय मैच में पाक को हराया

लाहौर (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम ने यहां खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान टीम पाकिस्तान को 88 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रेविस हेड के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 317 रन बनाए थे। इस प्रकार पाकिस्तानी टीम को जीत के लिए 318 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए पाक टीम 225 रन ही बना पायी। सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक ने शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। मध्य क्रम को जंपा ने ध्वस्त कर दिया। जंपा ने चार जबकि स्वैपसन और ट्रेविस हेड ने 2-2 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की जीत में स्पिनर एडम जंपा की अहम भूमिका रही। जंपा ने चार विकेट लेकर पाक टीम की कमर ही तोड़ दी। ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रेविस हेड के साथ एरोन फिंच ने पारी शुरु की। फिंच 23 रन बनाकर आउट हुए। वहीं बेन मैकडेरमॉट ने 70 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 55 रन बनाकर हेड का साथ दिया। हेड ने 72 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। लाबुछेन 25 तो स्टोइनिस 26 रन बनाने में सफल रहे। कैमरून ग्रीन ने 30 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 40 रन बनाए। एबॉट ने 9 गेंदों में 14 रन बनाकर टीम को 313 रनों तक पहुंचाया।

वहीं इसके बाद खेलने उतरी पाक टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। फखर जमां 18 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद इमाम और कप्तान बाबर आजम ने स्कोर आगे बढ़ाया। बाबर ने 57 रन बनाए पर उनके आऊट होने के बाद पाक टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। इमाम ने सबसे ज्यादा 103 रन बनाए।

शेन वार्न को दी गई अंतिम विदाई, मौजूद थी कई बड़ी हस्तियां

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया ने अपने दिग्गज क्रिकेटर शेन वार्न को गुरुवार को यहां अंतिम विदाई दी जिसके लिए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक उपस्थित थे। सर्वकालिक महान क्रिकेटरों में से एक पूर्व लेग स्पिनर वार्न का इस महीने की शुरू में थाईलैंड के कोह समुई में छुट्टी मनाने के दौरान निधन हो गया था। माना जा रहा है कि इस 52 वर्षीय खिलाड़ी को दिल का दौरा पड़ा था। वार्न का निजी अंतिम संस्कार पहले ही किया जा चुका है, जिसमें इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन सहित दर्जनों हस्तियां शामिल हुई थी। बुधवार को राजकीय श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

आईपीएल में सीएसके और सुपर जायंट्स में आज होगा मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)।

अपने पहले ही मैच में हार का सामना करने वाली गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) गुरुवार को अपने दूसरे मैच में नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करना चाहेगी। पहले मैच में सीएसके को जहां कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। वहीं लखनऊ की टीम को भी अपने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार मिली थी , ऐसे में वह भी इस दूसरे मैच में अपनी ओर से पूरी ताकत लगा देगी। अपने पहले ही मैच में हार के कारण दोनो ही टीमों के लिए यह मैच अहम है। पहले मैच में दोनो ही टीमों की बल्लेबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही और शीर्ष क्रम की नाकामी से ये टीमें बड़ा स्कोर नहीं बना पायीं। इसलिए दोनो का ही लक्ष्य अपनी कमियों से उबरना रहेगा।

लखनऊ के कप्तान लोकेश राहुल और टीम के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक पहले मैच में रन नहीं बना पाये थे जिसका नुकसान टीम को हुआ था और मैच उसके हाथ से निकल गया। अब राहुल इस मैच में बड़ा स्कोर कर अपनी टीम को प्रेरित करने के साथ ही टीम के लिए बड़ा स्कोर करना चाहेंगे। राहुल को आगे बढ़कर नेतृत्व करने की जरूरत है क्योंकि आईपीएल में उनके कप्तानी कौशल का भी आंकलन होगा। अनुभवी बल्लेबाज मनीष पांडे और इविन लुईस के अधिक रन नहीं बना पाने के बाद भी पहले मैच में जिस प्रकार मध्यक्रम में दीपक हुड्डा, आयुष बडोनी और क्रुणाल पंड्या ने आगे आकर जिम्मेदारी संभाली थी वह लखनऊ के लिए अच्छे संकेत हैं पर जहां तक गेंदबाजी की बात है टीम को सुधार करना होगा। पहले मैच में उसके गेंदबाज गुजरात के बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये थे। केवल तेज गेंदबाज दुशमंत चमीरा ने प्रभावित किया पर अवेश खान लय में नहीं दिखे। इसके अलावा स्पिनर रवि बिश्नोई, हुड्डा और क्रुणाल तीनों को अच्छा प्रयास करना होगा। दूसरी ओर सीएसके को भी चेन्नई को बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है क्योंकि पहले मैच में वह केवल 131 रन ही बना पाया था। ऑलराउंडर मोईन अली की वापसी से टीम की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी बेहतर होगी। इसके के अलावा ड्वेन प्रिटोरियस भी टीम में शामिल किये गये हैं। पहले मैच में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अच्छी बल्लेबाजी की थी पर युवा रुतुराज गायकवाड़, रोबिन उथप्पा, डेवोन कॉनवे और अंबाती रायुडु विफल रहे। सीएसके टीम के नये कप्तान रविंद्र जडेजा भी कमान संभालने के बाद बड़ा स्कोर बनाकर जीत हासिल करना चाहेंगे। यह देखना होगा कि मोईन को अंतिम ग्यारह में शामिल किये जाने पर किये बाहर बैठना पड़ सकता है। टीम के गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पहले मैच में केकेआर के खिलाफ ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने तीन विकेट लिये पर अन्य गेंदबाज विफल रहे थे।

दोनो टीम इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स- एमएस धोनी, रविंद्र जडेजा (कप्तान), मोईन अली, रुतुराज गायकवाड़, ड्वेन ब्रावो, दीपक चाहर, अंबाती रायडू, रॉबिन उथप्पा, मिशेल सेंटनर, क्रिस जॉर्डन, एडम मिल्ने, डेवोन कॉनवे, शिवम दूबे, ड्वेन प्रिटोरियस, महेश तीक्ष्णा, राजवर्धन हैंगरगेकर, तुषार देशपांडे, केएम आसिफ, सी हरि निशांत, एन जगदीशन, सुब्रंशु सेनापति, के भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, सिमरजीत सिंह, मुकेश चौधरी।

लखनऊ सुपर जायंट्स- लोकेश राहुल (कप्तान), मनन वोहरा, इविन लुईस, मनीष पांडे, क्विंटन डिकॉक, रवि बिश्नोई, दुष्मंथा चमीरा, शाहबाज नदीम, मोहसिन खान, मयंक यादव, अंकित राजपूत, अवेश खान, एंड्रयू टाय, मार्कस स्टोइनिस, काइल मेयर्स, करण शर्मा, कृष्णप्पा गौतम, आयुष बडोनी, दीपक हुड्डा, क्रुणाल पंड्या जेसन होल्डर।

श्रीलंकाई टीम से बाहर किए गए राजपक्षे इस मामले में चाहते हैं विराट कोहली से सलाह

नई दिल्ली । श्रीलंकाई बल्लेबाज भानुका राजपक्षे मानते हैं कि एक खिलाड़ी के लिए कौशल सबसे अहम होता है लेकिन साथ ही यह भी महसूस करते हैं कि जरूरी फिटनेस मानक हासिल किए बिना आधुनिक युग क्रिकेट में बने रहना संभव नहीं है। फिटनेस मुद्दों के कारण ही राष्ट्रीय टीम से बाहर किए गए राजपक्षे अब भारत के सबसे फिट क्रिकेटर विराट कोहली से इस संबंध में बातचीत करना चाहते हैं जिन्हें वह 'क्रिकेट का क्रिस्टियानो रोनाल्डो' मानते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का हिस्सा होने से श्रीलंका के इस 30 साल के खिलाड़ी को पूर्व भारतीय कप्तान से मिलने का मौका मिल सकता है और वह उम्मीद करते हैं कि इससे उन्हें फायदा मिलेगा। राजपक्षे ने जनवरी 2022 में अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा कर दी और फिर अधिकारियों के जोर देने पर एक हफ्ते बाद इसे वापस ले लिया। हालांकि वह इसी फिटनेस मुद्दे के कारण पिछले महीने भारत आने का मौका भी चूक गए। राजपक्षे को भरोसा है कि पंजाब किंग्स के साथ दो महीने बिताने से उनके खेल को बहुत फायदा मिलेगा और वह अपने फिटनेस को अगले स्तर तक ले जाएंगे।

बोपन्ना-शापोवलोव की जोड़ी मियामी ओपन से बाहर

मियामी (एजेंसी)।

मियामी - भारत के रोहन बोपन्ना और कनाडा के उनके जोड़ीदार डेनिस शापोवलोव पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में सीधे सेटों में हारकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पिछले तीन साल से अधिकतर टूर्नामेंट में जोड़ी बनाकर खेल रहे बोपन्ना और शापोवलोव की जोड़ी अंतिम आठ के मैच में नीदरलैंड के वेस्ले कूलहोफ और ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कूप्स्की की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 2-6, 1-6 से हार गई। बोपन्ना और शापोवलोव की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी ने इससे पहले पिछले दौर में निकोला मेक्टिच और मेट पाविच की शीर्ष वरीयता प्राप्त क्रोएशियाई जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर उलटफेर किया था।

विश्व कप से पहले भारत में खेलना महत्वपूर्ण : इंग्लैंड के कप्तान सॉर्सबी

भुवनेश्वर । इंग्लैंड की पुरुष हॉकी टीम के कप्तान टॉम सॉर्सबी ने कहा कि भारत के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के दो मैचों में खेलने का फायदा उन्हें अगले साल यहां होने वाले विश्व कप में मिलेगा।

इंग्लैंड की पुरुष टीम मेजबान भारत के खिलाफ दो और तीन अप्रैल को कलिंग हॉकी स्टेडियम में होने वाले दो मैचों के लिये मंगलवार की रात यहां पहुंची। सॉर्सबी ने कहा, 'हमारी टीम काफी नई है, इसलिए जरूरी नहीं कि हमने भारत से भिड़ने के लिए तैयारी की हो लेकिन इस टीम को हाल में प्रो लीग में खेलने का अच्छा अनुभव मिला है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें यहां जो भी अनुभव हासिल होगा वह काफी मायने रखेगा क्योंकि हमें विश्व कप के लिये फिर से यहां आना है।' भारत 2023 में पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। सॉर्सबी ने कहा, 'भारत वास्तव में अच्छा खेल रहा है और उसने कुछ अच्छे परिणाम हासिल किये हैं। हम जानते हैं कि हमारा मुकाबला एक मजबूत टीम से है लेकिन हम इस चुनौती के लिये तैयार हैं।'

आईपीएल अंक तालिका में राजस्थान रॉयल्स शीर्ष पर

ऑरेंज कैप के लिए डु प्लेसिस ओर पर्पल कैप के लिए कुलदीप सबसे आगे

मुबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सभी टीमों ने अब तक एक-एक मैच खेल लिया है। इसे बाद आईपीएल अंकतालिका में राजस्थान टीम सबसे ऊपर आई है। वह 3.050 नेट रन रेट के साथ ही शीर्ष पर है।

राजस्थान , दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात टाइटन्स ने भी अपना पहला मैच जीता है और इन सभी टीमों के भी 2-2 अंक हैं हालांकि नेट रन रेट के आधार पर दिल्ली दूसरे (0.914 नेट रन रेट), पंजाब तीसरे (0.697 नेट रन रेट), केकेआर चौथे (0.639 नेट रन रेट) और गुजरात पांचवें (0.286 नेट रन रेट) स्थान पर हैं। वहीं अपना पहला मैच हारने वाली टीमों में लखनऊ सुपर जायंट के अलावा चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद हैं। ये सभी टीमें नेट रन रेट के कारण छठे, सातवें, आठवें, नौवें और दसवें स्थान पर हैं।

वहीं ऑरेंज कैप की दौड़ में आरसीबी के कप्तान फॉफ डु प्लेसिस 88 रन शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे स्थान पर मुंबई इंडियंस के इशान किशन हैं इशान के 81 रन हैं। सनराइजर्स के एडेन मार्कराम 57 रन के साथ ही तीसरे नम्बर पर हैं। वहीं चौथे और पांचवें नम्बर पर राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन और लखनऊ के दीपक हुड्डा हैं जिनके 55-55 रन हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजी में पर्पल कैप के लिए दिल्ली टीम के कुलदीप यादव तीन विकेट लेकर इस पर अपनी पकड़ बनाये हुए हैं। लखनऊ के ड्वेन ब्रावो, राजस्थान के युजवेंद्र चहल, गुजरात के मोहम्मद शमी और मुंबई के बेसिल थम्पी शीर्ष पांच में शामिल हैं।

RAJASTHAN ROYALS

दिल्ली में नगर निगमों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही 'आप' सरकार, एकीकरण जरूरी : शाह

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज बुधवार को दिल्ली सरकार पर राजधानी के तीनों नगर निगमों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि तीनों निगमों की नीतियों और संसाधनों में विसंगतियों को दूर करने के लिए केंद्र सरकार इनके एकीकरण के लिए बिल लेकर आई है।

शाह ने लोकसभा में यह भी कहा कि 10 वर्ष पहले दिल्ली नगर निगम को 'आनन-फानन' में तीन निगमों में विभाजित करने के पीछे तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मंशा अभी तक स्पष्ट नहीं हुई है।

लोकसभा में 'दिल्ली नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2022' को चर्चा एवं पारित होने के लिए रखते हुए अमित शाह ने कहा कि 10 वर्ष पहले दिल्ली नगर निगम को तीन निगमों- उत्तर, दक्षिण और पूर्वी नगर निगमों में बांटा गया तो इस फैसले के पीछे की मंशा अभी तक स्पष्ट नहीं हुई है।

शाह ने कहा कि मैंने फाइलें खंगालीं, लेकिन आनन-फानन में किए गए बंटवारे की तत्कालीन सरकार की मंशा के बारे में कुछ पता नहीं चला। कोई स्पष्ट कारण नजर नहीं आया। मेरे पास इसका कोई प्रमाण भी नहीं है कि क्या मंशा रही होगी। गृह मंत्री ने कहा कि कारण स्पष्ट नहीं होने से लगता है कि इसका राजनीतिक मकसद रहा होगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है, यहां राष्ट्रपति भवन हैं, संसद है, अनेक दूतावास हैं और इसलिए अनेक बैठकें भी होती हैं तथा राजधानी में अनेक राष्ट्राध्यक्ष भी आते हैं। शाह ने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए जरूरी है कि नागरिक सेवाओं की जिम्मेदारी तीनों निगम ठीक से उठाएं। उन्होंने कहा कि तीनों निगमों के 10 साल तक अलग-अलग होकर परिचालित होने के बाद यह पता चला है कि तीनों में नीतियों को लेकर एकरूपता नहीं है। उन्होंने कहा कि एक ही शहर के तीन निगम अलग-अलग नीतियों से चलते हैं। कर्मियों की सेवा शर्तों में भी एकरूपता नहीं है और इन विसंगतियों के कारण कर्मियों में भी असंतोष नजर आया।

शाह ने दावा किया कि विभाजन के समय संसाधनों और दायित्वों का विभाजन सोच-विचार कर नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि संसाधनों की दृष्टि से एक निगम हमेशा आगे रहेगा, वहीं बाकी दो की जवाबदेही ज्यादा होगी। गृह मंत्री ने कहा कि इस तरह की अनेक परिस्थितियों से निगमों में चुनकर पहुंचने वाले लोगों को कामकाज में परेशानी होती है।

शाह ने कहा कि मैं जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि दिल्ली सरकार निगमों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। इसके कारण तीनों निगम अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए पर्याप्त संसाधनों से लैस नहीं हो पा रहे। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा लाए गए संशोधन विधेयक में तीनों निगमों को एक करने का प्रावधान है क्योंकि संसाधन और सहकारितावादी दृष्टि से एक ही निगम पूरी दिल्ली की नागरिक सेवाओं का ध्यान रखेगा तो उचित होगा।

इससे पहले सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में 'दिल्ली नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2022' पेश किया था, तब विपक्षी दलों ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि इस बिल को पेश करना इस सदन के विधायी दायरे में नहीं आता है। बिल के उद्देश्यों एवं कारणों में कहा गया है कि वर्ष 2011 में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र की विधानसभा द्वारा दिल्ली नगर निगम संशोधन अधिनियम 2011 द्वारा उक्त अधिनियम को संशोधित किया गया था जिससे उक्त निगम का तीन पृथक निगमों में विभाजन हो गया।

इसमें कहा गया कि तत्काल दिल्ली नगर निगम के तीन भागों में विभाजन करने का मुख्य उद्देश्य जनता को अधिक प्रभावी नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली में विभिन्न केंद्रों में सुसंबद्ध नगर पालिकाओं का सृजन करना था, फिर भी दिल्ली नगर निगम का तीन भागों में विभाजन राज्य क्षेत्रीय प्रभागों और राजस्व सृजन की संभाव्यता के अर्थ में असमान था। इसमें कहा

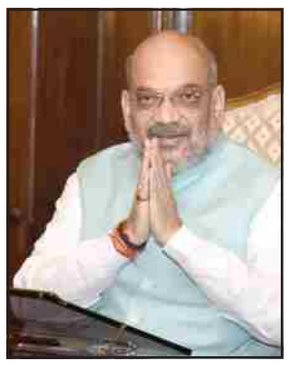

गया है कि समय के साथ दिल्ली के तीन नगर निगमों की वित्तीय कठिनाइयों में वृद्धि हुई जिससे वे अपने कर्मचारियां को वेतन और रिटायरमेंट फायदे प्रदान करने में अक्षम हो गए। वेतन और रिटायरमेंट फायदे प्रदान करने में विलंब का परिणाम नगर निगम कर्मचारियों द्वारा निरंतर हड़ताल के रूप में सामने आया जिसने न केवल नागरिक सेवाओं को प्रभावित किया बल्कि इससे सफाई और स्वच्छता से संबंधित समस्याएं भी उत्पन्न हुईं।

इसमें कहा गया है कि दिल्ली में तीन समवर्ती नगर निगमों के सृजन का मुख्य उद्देश्य जनता को प्रभावी नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराना था। मसौदे के अनुसार पिछले 10 वर्षों का अनुभव यह दर्शाता है कि संसाधनों की अपर्याप्तता और निधियों के आवंटन एवं जारी करने की अनिश्चितता के कारण तीनों निगम गंभीर वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं जिससे उनके लिए वांछित स्तर पर दिल्ली में नागरिक सेवाओं को बनाए रखना कठिन हो गया।

बिल के उद्देश्यों एवं कारणों के अनुसार, सरकार देश की राजधानी में नागरिक सेवाएं प्रदान करने तथा वित्तीय कठिनाइयों एवं क्रियाशील अनिश्चितताओं को दूर करने के प्रयास के तहत दिल्ली नगर निगम संशोधन विधेयक 2022 लाई है।

इसके तहत तीन नगर निगमों को एकीकृत करने की बात कही गई है। इसमें संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के लिए एक सुदृढ़ तंत्र सुनिश्चित करना तथा दिल्ली के लोगों को अधिक कुशल नागरिक सेवा पूरी तरह पारदर्शिता के साथ प्रदान करने की बात कही गई है।

सीएम केजरीवाल के घर के बाहर तोड़फोड़, सिसोदिया बोले- बीजेपी के गुंडों ने की तोड़फोड़

'दिल्ली सीएम की हत्या करानी चाहती बीजेपी'

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के सदस्यों ने बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म पर विधानसभा में उनकी हालिया टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

दिल्ली पुलिस ने बुधवार को यहां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर हंगामा करने के आरोप में करीब 70 लोगों को हिरासत में लिया है। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म पर विधानसभा में मुख्यमंत्री की हालिया टिप्पणी पर विरोध प्रदर्शन किया था।

भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव तजिंदर पाल सिंह बग्गा और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन आईपी कॉलेज से मुख्यमंत्री आवास तक सुबह करीब 10.30 बजे शुरू हुआ।

सुबह करीब साढ़े 11 बजे जब प्रदर्शनकारी सीएम आवास पहुंचे, तो उन्होंने केजरीवाल और उनकी पार्टी के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। दोपहर करीब 1 बजे कुछ प्रदर्शनकारियों ने सीएम आवास के पास लगाए गए दो बैरिकेड्स को तोड़ दिया और वहां हंगामा किया।

घटना की पुष्टि करते हुए, पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने आईएएनएस को बताया कि बैरिकेड्स तोड़ने वाले प्रदर्शनकारियों के पास 'पेंट का एक छोटा सा बॉक्स था, उन्होंने दरवाजे के बाहर पेंट फेंका था।'

कलसी ने कहा, 'एक बूम बैरियर आर्म के साथ-साथ एक सीसीटीवी कैमरा भी क्षतिग्रस्त पाया गया।'

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि पुलिस टीम ने उन्हें तुरंत मौके से हटा दिया और लगभग 70 लोगों को हिरासत में लिया। उन्होंने कहा, 'कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है।'

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पर हुए हमले के बाद उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेस वार्ता कर इस हमले को पंजाब में प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री की साजिश के तहत हत्या कराने की नाकाम कोशिश बताई है।

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली पुलिस पर भी साथ मिलकर हमला कराने का आरोप लगाया है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि, आम आदमी पार्टी को मिली प्रचंड जीत के बाद बीजेपी इस हरकत पर पहुंच चुकी है कि वह केजरीवाल की हत्या कराना चाहती है, वह केजरीवाल को मारना चाहती है। आज पुलिस की मौजूदगी में पुलिस के साथ मिलकर भाजपा के गुंडों ने घर पहुंचकर हमला किया और सीसीटीवी तोड़े गए, बूम बेरियर तोड़े गए।

यह एक सोची समझी साजिश के तहत मुख्यमंत्री पर हमला किया गया, अरविंद केजरीवाल को चुनाव में न हरा पाना, पीछे न कर पा रही तो केजरीवाल को खत्म कराना चाहती है। मैं भाजपा को कहना चाहता हूं कि अरविंद केजरीवाल जी को हाथ लगाने की कोशिश मत करो।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करके बीजेपी पर सीएम के घर पर सीएम के घर पर हमला कराने का आरोप लगाया है। इस बीच, आप नेता घटना के दौरान कथित निष्क्रियता के लिए दिल्ली पुलिस के कर्मियों पर आरोप लगा रहे हैं और आरोप लगाया है कि भाजपा 'अरविंद केजरीवाल को मारने की कोशिश कर रही है।'

पार्टी ने ट्वीट कर कहा, 'मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर बीजेपी ने हमला किया। बीजेपी की दिल्ली पुलिस की मौजूदगी में बैरियर तोड़े गये, सीसीटीवी कैमरे टूटे, गेट तोड़ दिए गये। पंजाब में आप की जीत से हताश, क्या बीजेपी अरविंद केजरीवाल जी को मारने की कोशिश कर रही है?'

आप नेता राघव चड्ढा ने आरोप लगाया कि भाजपा पंजाब में उनकी हार से नाराज है और अब घटिया राजनीति में आ गई है। चड्ढा ने कहा, 'माननीय मुख्यमंत्री जी के आवास पर भाजपा के गुंडों द्वारा करा गया हमला बेहद निंदनीय है। पुलिस की मौजूदगी में इन गुंडों ने बैरिकेड तोड़े, सीसीटीवी कैमरा तोड़े। पंजाब की हार की बौखलाहट में भाजपा वाले इतनी घटिया राजनीति पर उतर गए।' बीजेपीवाईएम के नेताओं बग्गा और सूर्या ने आरोप लगाया कि केजरीवाल को कश्मीरी हिंदुओं के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए।

बग्गा ने ट्विटर पर लिखा, 'अगर कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार पर केजरीवाल की टिप्पणी पर माफी मांगना एक असामाजिक गतिविधि है, तो हां हम एक असामाजिक हैं।'

भाजपा लगातार आप सरकार से दिल्ली में 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग कर रही थी, हालांकि, केजरीवाल ने हाल ही में विधानसभा में इस तरह के सभी अनुरोधों को ठुकरा दिया और आगे बीजेपी को यूट्यूब पर फिल्म अपलोड करने और कमाई के पैसों को कश्मीरी पंडितों के कल्याण पर खर्च करने के लिए कहा। इसके अलावा, दिल्ली के मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि 'द कश्मीर फाइल्स' एक 'झूठी' (तथ्यों पर आधारित नहीं) फिल्म है।

ग्लोबल कश्मीरी पंडित डायस्पोरा (जीकेडीपी) ने मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि 'डॉक्यूड्रामा' (द कश्मीर फाइल्स) व्यक्तिगत साक्ष्य और सामुदायिक रिकॉर्ड के सावधानीपूर्वक प्रलेखन पर आधारित है।

आपको बता दें कि, पूर्व में, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने '83' और 'सांड की आंख' जैसी कई फिल्मों को कर मुक्त दर्जा दिया था।

भगवंत मान सरकार बड़ा ऐलान

पंजाब में नहीं बढ़ेगी प्राइवेट स्कूलों की फीस

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने आज बड़ा ऐलान करते हुए शिक्षा को लेकर दो बड़े फैसले लिए। पहला राज्य के निजी स्कूल एडमिशन की फीस में बढ़ोत्तरी नहीं करेंगे। दूसरा अभिभावकों को स्कूल ड्रेस और पुस्तकों के लिए किसी खास दुकान में नहीं भेजेंगे।

बुधवार को बड़ा ऐलान करते हुए पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि शिक्षा का अधिकार हर किसी के लिए बराबर है। उन्होंने कहा, 'वो भी एक अध्यापक के बेटे हैं, इसलिए शिक्षा को लेकर मैं आज दो बड़े फैसले ले रहा हूं। पहला राज्य के प्राइवेट स्कूल अपने एडमिशन फीस को नहीं बढ़ाएंगे।'

अपने दूसरे फैसले में मान ने कहा, 'कोई भी प्राइवेट स्कूल अभिभावकों को किसी खास दुकान पर जाकर यूनिफॉर्म और किताबें खरीदने के लिए नहीं कहेगा। स्कूल उस इलाके की सभी दुकानों पर अपनी

किताबें और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराएंगे, अभिभावक अपनी पसंद की किसी भी दुकान से खरीद सकेंगे।'

ग्रेनेड फेंकने वाली बुर्का पहने महिला की पहचान हुई : जम्मू-कश्मीर पुलिस

श्रीनगर, 30 मार्च (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को कहा कि सोपोर शहर में सीआरपीएफ के बंकर पर ग्रेनेड फेंकने वाली महिला की पहचान हो गई है।

कश्मीर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विजय कुमार ने कहा कि बुर्का पहने महिला की पहचान कर ली गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महिला ने मंगलवार शाम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के बंकर पर ग्रेनेड फेंका था। विस्फोट में एक स्थानीय पुलिसकर्मी और सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गये। ग्रेनेड फेंकने का पूरा क्रम मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गया।

वरुण गांधी को बीजेपी विधायक ने बताया छोटा राहुल, संजय राउत से मुलाकात पर बोला हमला

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। भाजपा नेता वरुण गांधी और शिवसेना सांसद संजय राउत की मुलाकात को लेकर सियारी गलियारों ने हलचल पैदा कर ली है। इस बीच भाजपा विधायक रमेश मेंदोला ने वरुण गांधी को 'छोटा राहुल' कहा। ट्वीट में वरुण गांधी पर हमला करते हुए मैंदोला ने लिखा- छोटा राहुल और बड़े उद्धव के साथ जाए इससे अच्छी और क्या बात हो सकती है, वैसे भी दोनों की मानसिकता एक जैसी है।

बुधवार के दिन भाजपा नेता वरुण गांधी और शिवसेना सांसद संजय राउत की मुलाकात हुई। दोनों नेताओं के बीच करीब चार घंटे बातचीत हुई। दोनों नेताओं के बीच चली लंबी बातचीत से इस बात के कयास तेज हो गए कि कहीं वरुण गांधी शिवसेना तो ज्वाइन नहीं करने वाले?

इन कयासों के बीच इंदौर से भाजपा विधायक रमेश मेंदोला ने अपनी ही पार्टी के लोकसभा सांसद वरुण गांधी पर तीखा हमला बोला। मैंदोला ने वरुण गांधी को छोटा राहुल तक कह डाला। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि छोटा राहुल और बड़े उद्धव एक साथ आ जाएं, इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है, वैसे भी दोनों की मानसिकता एक जैसी है।

गौरतलब है कि शिवसेना के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भाजपा से नाराज चल रहे वरुण गांधी से मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच मंगलवार को मुलाकात हुई, जो करीब तीन घंटे तक चली।

रिपोर्ट्स के मुताबिक वरुण गांधी को संजय राउत ने अपने दिल्ली स्थित घर पर डिनर के लिए आमंत्रित किया था। इसी दौरान दोनों की मुलाकात हुई और तीन घंटे तक बातचीत हुई। दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई, यह सामने नहीं आया है। लेकिन कयासों का दौर तेज हो गया है। इसकी वजह यह है कि वरुण गांधी लंबे समय से भाजपा से नाराज चल रहे हैं और पार्टी भी उन्हें साइडलाइन करती दिखी है।

आदतन हिंदुओं का अपमान करते हैं केजरीवाल और आप : तेजस्वी सूर्या

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कश्मीरी पंडितों के नरसंहार का 'मजाक' बनाने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से बिना शर्त माफी मांगने की मांग करते हुए बुधवार को कहा कि वह और आप 'आदतन हिंदुओं का अपमान करने वाले' हैं।

सूर्या ने कहा कि भाजयुमो तब तक विरोध जारी रखेगा जब तक केजरीवाल कश्मीरी पंडितों का मजाक उड़ाने के लिए बिना शर्त माफी नहीं मांग लेते।

उन्होंने यह बात भाजयुमो के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सदस्य राजू बिस्ता के साथ यहां भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

सूर्या ने कहा, 'जब उनकी राजनीति की बात आती है तो केजरीवाल एक आदतन अपमान करने वाले हैं और उनके राजनीतिक हित हमेशा राष्ट्र हित से ऊपर होते हैं। आप ने बार-बार सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता और अखंडता पर सवाल उठाया है और उन्होंने कई बार स्पष्ट रूप से स्पष्ट किया है कि उनकी और आप की नीति हमेशा आतंकवादियों के पक्ष में होती है और कभी भी आतंक के शिकार लोगों के पक्ष में नहीं होती।'

कश्मीरी पंडितों के प्रवास के बारे में बात करते हुए, सूर्या ने कहा, 'नरसंहार पर पर्दा डालने का प्रयास सभ्यता पर अन्याय है, ऐतिहासिक तथ्यों को छिपाने का यह प्रयास शहरी नक्सलियों की समय-परीक्षणित (टाइम-टेस्टिड) रणनीति है।

उन्होंने (केजरीवाल) खुले तौर पर 'टुकड़े-टुकडे गैंग' को समर्थन प्रदान किया था, जिनके दिल में कभी भारत का हित नहीं रहा है।'

केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर भाजयुमो के विरोध के बारे में बात करते हुए, सूर्या ने कहा, 'यह विरोध किसी विशेष फिल्म के पक्ष में या किसी विशेष फिल्म के खिलाफ बयान की प्रतिक्रिया में नहीं है। लेकिन यह केजरीवाल के कट्टरता और अमानवीय दिमाग के खिलाफ है, जो नरसंहार से इनकार करते हैं और कश्मीर में हुए हिंदू नरसंहार का मजाक उड़ाते हैं।'

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के दावों के बारे में पूछे जाने पर कि 'भाजपा के गुंडों ने केजरीवाल की हत्या की कोशिश की', सूर्या ने कहा, 'यह केवल सिसोदिया की कल्पना का एक अनुमान है। लोकतांत्रिक रूप से चुने गए सांसदों को 'गुंडा' कहना सिसोदिया की लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं बेंगलुरु से लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सांसद हूं और राजू बिस्ता दार्जिलिंग से चुने गए हैं। 20 लाख लोगों ने हमें संसद के लिए चुना है। हम एक समुदाय की हत्या पर हंसने के लिए संसद नहीं आए। हम संसद के जिम्मेदार सदस्य हैं। सिसोदिया की टिप्पणी अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। जब आप चुनाव का सामना करेंगे तो इस देश के युवा आपको बहुत मजबूत सबक सिखाएंगे।'

सिसोदिया के बयान की निंदा करते हुए सूर्या ने उनसे अपना बयान वापस लेने का आग्रह किया। सूर्या ने सवाल पूछते हुए कहा, 'क्या आप (केजरीवाल और सिसोदिया) आतंकवादियों या आतंक के शिकार लोगों के पक्ष में हैं?'

उन्होंने कहा, 'आज देश जानता है कि आतंकवाद के अपराध को नकारना और इस पर पर्दा डालना खुद आतंक करने से ज्यादा आपराधिक है। आप और केजरीवाल बार-बार ऐसा कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब शहरी नक्सली सभ्यता की स्मृति से हिंदू के नरसंहार को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।'

भारत में 2020 में हुई 1.58 लाख से ज्यादा दोपहिया सड़क दुर्घटनाएं, 56 हजार से अधिक लोग मरे : गडकरी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेन्सी)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को संसद में कहा कि साल 2020 में भारत में 1,58,964 दोपहिया वाहनें सड़क दुर्घटना का शिकार हुईं, जिसमें 56,873 लोगों को आपनी जान से हाथ धोना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 में पूरे भारत में दोपहिया वाहनों से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं में 56,136 लोग मारे गए, जबकि दोपहिया वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं की कुल संख्या 167,184 थी।

गडकरी ने आगे कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक बहु-आयामी रणनीति तैयार की है जो शिक्षा, सड़कों और वाहनों की इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और आपातकालीन देखभाल के आधार पर सड़क सुरक्षा के मुद्दे को लागू करेगी।

भारत उन देशों में से एक है जहां सड़क दुर्घटनाओं के कारण सबसे ज्यादा मौतें होती हैं और गंभीर चोटें आती हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि, भारत में हर साल लगभग 4,50,000 दुर्घटनाएं होती हैं, जिससे लगभग 1,50,000 लोग मारे जाते हैं और कई विकलांग या गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। वास्तव में, भारत सड़क दुर्घटनाओं के कारण सबसे अधिक मौतों वाला देश है। एक अनुमान में यह दावा किया गया है कि भारत में हर घंटे 53 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और हर चार मिनट में एक मौत होती है।

इनमें से ज्यादातर सड़क हादसों में दोपहिया वाहन शामिल होते हैं। जहां इन हादसों का एक कारण यातायात नियमों का पालन नहीं करना है। वहीं सड़क की विवादित खराब हालत भी अन्य कारणों में से एक है। साथ ही, इनमें से ज्यादातर सड़क दुर्घटनाएं नेशनल हाईवे पर होती हैं।

दोपहिया वाहनों से जुड़े इन सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की कोशिश में, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कई अलग-अलग कदम उठाए हैं। इसने दोपहिया निर्माताओं से 125 से ज्यादा इंजन डिस्ख्रलेसमेंट वाले सभी दोपहिया वाहनों में एबीएस (एंट्री ब्रेक सिस्टम) का फीचर देने के लिए कहा है।

जबकि 125सीसी या उससे कम पावर वाले इंजन मॉडल में सीबीएस (कॉम्बी-ब्रेकिंग सिस्टम) अनिवार्य रूप से दिया जाना आवश्यक होगा। यह आदेश 1 अप्रैल 2019 से लागू है। दूसरी ओर, सरकार ने यातायात नियमों को तोड़ने के लिए जुर्माने की राशि में काफी बढ़ोतरी की है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com